

राघवकीर्ति

सच के साथ, तेजी से बढ़ता, निष्पक्ष दैनिक समाचार पत्र



वर्ष : 19, अंक : 068

इंदौर बुधवार, दिनांक 22 अप्रैल 2026

पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

जयकारों के साथ धाम पहुंची बाबा की डोली



केदारनाथ धाम के कपाट बुधवार सुबह खुलेंगे। बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली मंगलावर को केदारनाथ धाम पहुंची।

■ महत्त्वपूर्ण खबरें

इंफाल में फिर तनाव, मशाल रैली के दौरान सुरक्षा बल से भिड़े प्रदर्शनकारी, जमकर पत्थरबाजी

बिष्णुपुर/एजेंसी। मणिपुर में हालात एक बार फिर तनावपूर्ण होते नजर आ रहे हैं, जहां हाल ही में हुए बम विस्फोट में दो बच्चों की मौत के बाद लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतर आया है। इंफाल में निकाली गई मशाल रैली के दौरान प्रदर्शन हिंसक हो गया और प्रदर्शनकारियों तथा सुरक्षा बलों के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। बता दें कि 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले के टोंगलाओबी क्षेत्र में हुए विस्फोट में दो बच्चों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद से ही घाटी के विभिन्न इलाकों में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, सोमवार रात इंफाल पश्चिम जिले में मयाई लांबी से केंद्रशमथोंग तक करीब सात किलोमीटर लंबी मशाल रैली निकाली गई थी। गौरतलब है कि रैली के दौरान स्थिति तब बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की और सुरक्षा बलों से भिड़ गए। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारी कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए केंद्रसामपत की ओर बढ़ना चाहते थे, जो लोक भवन और सत्तारूढ़ दल के राज्य कार्यालय के पास स्थित है।

अरविंद केजरीवाल का कोर्ट वीडियो वायरल होने पर बवाल, दिल्ली हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल कर एवशन की मांग

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ी कोर्ट की कार्यवाही की बिना अनुमति रिकॉर्डिंग की गई और उसे फैलाया गया। इस याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ऐसी सामग्री को हटाने की भी मांग की गई है। यह याचिका 13 अप्रैल, 2026 को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने हुई सुनवाई से संबंधित है। इस सुनवाई में केजरीवाल खुद पेश हुए थे और उन्होंने दिल्ली शराब नीति जांच से जुड़े एक मामले में जज के खुद को सुनवाई से अलग करने की अपनी मांग पर बहस की थी। इस जांच को सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं।

॥ जय गणेश ॥

आज का पंचांग

22 अप्रैल 2026 बुधवार, विक्रम संवत् 2083

वैशाख शुक्ल पक्ष षष्ठी

सूर्योदय :	प्रातः 6.00 बजे (उज्जैन)	चन्द्रमा :	मिश्रुन
सूर्यास्त :	सायं 6.50 बजे	दिशाशूल :	उत्तर
नक्षत्र :	आर्द्रा	राहु का :	दोपहर 12.25
योग :	अतिगंड	बड़े से दोपहर	02.01 बजे
करण :	कौलव	तक	

आज दान योग्य : किसी जरूरतमंद वृद्ध को वस्त्र, भोजन और फल दान करें।

विशेष - भगवान गणपति का पंचामृत अभिषेक करें। मंगल होगा।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

(ज्योतिष-वास्तुविद एवं पुराण प्रवक्ता)

प्रमुख महागणपति आध्यात्मिक मिशन राष्ट्रीय संयोजक भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भरम) राष्ट्रीय अध्यक्ष गण सेना (फाउंडेशन) आध्यात्मिक जनजागरण एवं प्राणी मात्र के हित संरक्षण, संवर्द्धन हेतु संकल्पित 9755910000, www.jyotishvastu.com

हमारा एक परामर्श-संवारेणा आपका भविष्य

हर पल, हर तरफ चौकस निगाहें - ताज़ातरीन खबरें

दैनिक राघवकीर्ति

www.raghavkirti.news

प्रधानमंत्री मोदी पर खरगे की आतंकवादी की टिप्पणी से बवाल, भाजपा बोली- कांग्रेस मांगे माफी

नई दिल्ली/एजेंसी। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे विवादों में फिर गए, जब उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को %आतंकवादी% कहा और दावा किया कि जो लोग समानता में विश्वास नहीं करते और ये लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। इसको लेकर भाजपा अब कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी पर खरगे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा नेता के. अनामल्लाई ने कहा कि दुर्भाग्य से, कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता, जिनका अपना एक लंबा इतिहास है, बेहद गंभी भाषा

का इस्तेमाल कर रहे हैं, प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं और सीधे प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कह रहे हैं।

अनामल्लाई ने आगे कहा कि अब हम कम से कम यही चाहते हैं कि मल्लिकार्जुन खरगे सार्वजनिक माफी मांगें और जनता से क्षमा प्राप्त करें... तमिलनाडु आने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने जमीनी हकीकत देख ली है। उन्हें पता है कि भारत गठबंधन को भारी हार का सामना करना पड़ेगा। इसीलिए हताशा में आकर वे इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं... भारत में कुछ राजनेताओं को जल्द से जल्द सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए, और मल्लिकार्जुन खरगे के लिए यह

सबसे उपयुक्त है।

भाजपा सांसद सबित पात्रा ने कहा कि यह न केवल निंदनीय है, बल्कि कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को भी दर्शाता है। यह ज्वान फिसलने की बात नहीं है। अगर वह कोई स्पष्टीकरण भी दे रहे हैं, तो याद रखें कि यह कांग्रेस पार्टी की सोची-समझी साजिश है... राहुल गांधी हर दिन अपने भाषणों में प्रधानमंत्री को खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं, और आज राहुल के इशारे पर मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है जो ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहती है।

तमिलनाडु चुनाव का शोर थमा

डीएमके-एआईएडीएमके में महामुकाबले से पहले शांति से प्रचार शुरू

चेन्नई/एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए जोरदार प्रचार अभियान मंगलवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया, जिसके साथ ही 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले अनिवार्य 48 घंटे की मौन अवधि शुरू हो गई। इस अवधि के दौरान, कार्तीयक दलों और उम्मीदवारों को सार्वजनिक सभाएं आयोजित करने, जुलूस निकालने या चुनाव प्रचार से संबंधित विज्ञापन जारी करने की मनाही है। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि चुनाव की घोषणा के साथ ही लागू हुई आदर्श आचार संहिता, चुनावी प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहेगी।

23 अप्रैल को मतदान होगा और 4 मई को मतगणना होगी, जिसके नतीजे उसी दिन घोषित किए जाएंगे। राज्य के संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अपने चुनाव प्रचार का समापन कोलाथूर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं से संपर्क साधकर किया, जहां से वे चुनाव लड़ रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पर एक पोस्ट में उन्होंने खुद को उन लोगों के लिए 'खतरा' बताया जो, उनके शब्दों में, तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करते हैं या इसके विकास में बाधा डालने का प्रयास करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा परिसीमन का प्रयास तमिलनाडु जैसे उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्यों को दंडित करने के उद्देश्य से किया गया है।

थूथुकुडी में बोलते हुए डीएमके की उप महासचिव और सांसद कनिमोली ने विश्वास जताया कि पार्टी सत्ता बरकरार रखेगी। विपक्ष की ओर से, एआईएडीएमके के पलानीस्वामी, जो राज्य में एनडीए के चुनाव प्रचार का नेतृत्व कर रहे हैं, ने पश्चिमी तमिलनाडु का अपना दौरा समाप्त करते हुए मतदाताओं से अपील की कि वे डीएमके के ध्रष्ट शासन को उखाड़ फेंकें और परिवारवाद का अंत करें।

केदारनाथ में अब नहीं बनेंगे इंस्टाग्राम रीलस, मंदिर समिति का बड़ा फैसला, उल्लंघन पर होगी जेल !

देहरादून/एजेंसी। केदारनाथ मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। मंदिर समिति के सदस्य विनोत पोस्टी ने इसकी पुष्टि की। पोस्टी ने बताया कि यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के लिए लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर के अंदर मोबाइल फोन ले जाना, फोटो खींचना, वीडियो बनाना

या रील बनाना सख्त मना है। उन्होंने आगे कहा कि इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से समुद्ध दर्शन अनुभव सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। इसके अलावा, रुद्रप्रयाग पुलिस प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम

आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की है। इस योजना में तीर्थयात्रा मार्ग पर यातायात प्रवाह को नियंत्रित करने और भीड़भाड़ को रोकने पर जोर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रा के मौसम में भारी संख्या में तीर्थयात्रियों के आने की आशंका को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक यातायात व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। वाहनों

की आवाजाही को नियंत्रित करने, भीड़भाड़ कम करने और पूरे मार्ग पर सुचारू यातायात बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। योजनाओं में तीर्थयात्रा मार्ग पर स्थायी और अस्थायी पार्किंग सुविधाएं शामिल हैं ताकि वाहनों का दबाव कम हो और यातायात जाम से बचा जा सके। इन उपायों का उद्देश्य तीर्थस्थल की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा और सुरक्षा

सुनिश्चित करना है। रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि व्यस्त समय में सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पड़ोसी जिलों के साथ सावधानीपूर्वक समन्वय करके यातायात योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा, 'जिले में होने वाली यात्रा के लिए विस्तृत यातायात योजना तैयार की गई है। आसपास के जिलों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। यातायात व्यवस्था को 2 सुपर जोन

और 11 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इसके अतिरिक्त, 13 मोबाइल पुलिस बल की टीमें गठित की गई हैं। यातायात का दबाव बढ़ने की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था भी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि जिले को सुपर जोन और सेक्टरों में विभाजित करने से निगरानी में सुधार होगा और तीर्थयात्रा के दौरान यातायात संबंधी चुनौतियों का समाधान तेजी से किया जा सकेगा।

त्रिशूर में पूरम उत्सव से पहले बड़ा धमाका

आतिशबाजी फैक्ट्री में धमाके से 8 की मौत, 40 घायल

त्रिशूर/एजेंसी। केरल के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर एक आतिशबाजी निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना मुंडाथिकोड में दोपहर लगभग 3.35 बजे घटी। वडक्कनचेरी अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने ऑनमनोरमा को बताया कि पटाखे बनाने की इकाई धान के खेत में स्थित थी जो कटाई के बाद सूख चुका था, और भीषण गर्मी ने घटना को और भी गंभीर बना दिया होगा। घायलों में से

अधिकांश इसी इकाई के कर्मचारी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद अग्निशमन कर्मी और एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे। घायलों का इलाज त्रिशूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित कई अस्पतालों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें दोपहर करीब 3.35 बजे विस्फोट की सूचना मिली। पटाखे बनाने की इकाई धान के खेत में स्थित थी जो फसल कटाई के बाद सूख चुका था, और भीषण गर्मी ने घटना को और भी गंभीर बना दिया

होगा। उन्होंने आगे कहा कि वडक्कनचेरी, कुन्नमकुलम और त्रिशूर की अग्निशमन इकाइयों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बचाव कार्य में समन्वय किया।

हालांकि, अधिकारी ने बताया कि बचाव दल अभी तक पटाखों के ठिकाने तक नहीं पहुंच पाया है। कुन्नमकुलम अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने कहा कि हम अभी तक पटाखों के ठिकाने तक नहीं पहुंच पाए हैं। बाढ़ रहे गए सामान की मात्रा स्पष्ट नहीं है और आगे भी विस्फोट होने की संभावना है।

इस्लामाबाद वार्ता 2.0

पाकिस्तान की मध्यस्थता में मिलेंगे अमेरिका-ईरान के टॉप लीडर्स

इस्लामाबाद/एजेंसी। अमेरिका और ईरान के पाकिस्तान में संघर्ष-विराम वार्ता के एक और दौर के लिए लौटने की उम्मीद है। अधिकारियों ने मंगलवार को एपी को बताया कि पाकिस्तान की अगुवाई वाले मध्यस्थों को इस बात की पुष्टि मिली है कि शीर्ष वार्ताकार अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाबर गुलिलबफ-बुधवार की सुबह इस्लामाबाद पहुंचेंगे। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बात की, क्योंकि उन्हें मीडिया को जानकारी देने का अधिकार नहीं था। दोनों पक्षों के बीच 14 दिन का संघर्ष-विराम बुधवार (22 अप्रैल) को समाप्त होने वाला है, जिससे प्रस्तावित वार्ता की अर्जेंसी और बढ़ गई है।

पाकिस्तान में कोई ईरानी प्रतिनिधिमंडल नहीं : हालांकि, न तो वॉशिंगटन और न ही तेहरान ने सार्वजनिक रूप से इस कार्यक्रम की पुष्टि की है। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने भी इस बात से इनकार किया है कि कोई भी

अधिकारी पहले ही पाकिस्तान की राजधानी पहुंच चुका है। ईरान के सरकारी प्रसारक, इस्तामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग ने कहा है कि कोई भी ईरानी राजनयिक प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की राजधानी, इस्लामाबाद नहीं गया है, और ऐसी किसी भी आवाजाही की खबरों को खारिज कर दिया है। बयान में कहा गया है, कोई भी ईरानी राजनयिक प्रतिनिधिमंडल-चाहे वह प्राथमिक या द्वितीयक टीम हो, या प्राथमिक या अनुवर्ती मिशन हो, अब तक इस्लामाबाद नहीं गया है।

इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान पर मध्य-पूर्व में चल रहे युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ सीज़फ़ायर का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। यह आरोप ऐसे समय में लगाया गया है जब दोनों देश शांति वार्ता के एक संभावित नए दौर पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। ट्रंप ने अपने ट्रथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान ने कई बार सीज़फ़ायर का उल्लंघन किया है!

उपमुख्यमंत्री की रेत वृक्ष श्रवण कुमार को मिला तफादरी का इनाम, बने जेडीयू विधायक दल के नेता

पटना/जेंसी। श्रवण कुमार को बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) विधायक दल का नेता चुना गया है। विधानसभा द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से इसकी पुष्टि की गई। यह कदम जेडीयू की उस बैठक के एक दिन बाद उठाया गया है, जिसमें पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार को नेतृत्व पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार दिया गया था। पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रवण कुमार का सामाजिक पृष्ठभूमि और गृह क्षेत्र नीतीश कुमार के समान ही है। बिहार की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा, श्रवण कुमार नालंदा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 2025 के चुनावों में लगातार आठवीं बार अपनी सीट जीती। ऐसी व्यापक धारणा थी कि श्रवण कुमार उपमुख्यमंत्री पद की दौड़ में भी थे, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसके बजाय, पार्टी ने विजेंद्र यादव और विजय कुमार चौधरी को उपमुख्यमंत्री पदों के लिए चुना।

और 11 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इसके अतिरिक्त, 13 मोबाइल पुलिस बल की टीमें गठित की गई हैं। यातायात का दबाव बढ़ने की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था भी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि जिले को सुपर जोन और सेक्टरों में विभाजित करने से निगरानी में सुधार होगा और तीर्थयात्रा के दौरान यातायात संबंधी चुनौतियों का समाधान तेजी से किया जा सकेगा।

राष्ट्रपति ट्रम्प और पोप लियो 14वें के बीच का संघर्ष अभूतपूर्व है। हालांकि पोपों ने पहले भी राजनीति पर टिप्पणी की है लेकिन पोप के प्रति ट्रम्प का व्यक्तिगत अपमान असामान्य है। हालांकि रिपोर्टों से पता चलता है कि उनके लहजे में नरमी आई है, फिर भी उनकी बेचेनी स्पष्ट है। अमरीकी इतिहास के 250 वर्षों में किसी भी राष्ट्रपति ने किसी पोप पर व्यक्तिगत रूप से हमला नहीं किया है। इस तरह के सार्वजनिक मतभेद केवल भ्रम पैदा करते हैं। ट्रम्प ने ईरान के संबंध में अमरीका और इसराईल की कार्रवाइयों की पोप द्वारा आलोचना किए जाने के बाद सार्वजनिक रूप से पोप लियो 14वें की निंदा की। इसने एक महत्वपूर्ण टकराव को चिन्हित किया। राष्ट्रपति ट्रम्प और पोप लियो 14वें के बीच का संघर्ष एक दुर्लभ टकराव को उजागर करता है, जिसमें राजनीतिक शक्ति और धार्मिक प्रतीकवाद का मिश्रण है, जो जनमत और धार्मिक समुदायों को गहराई से प्रभावित कर सकता है।

ट्रम्प ने कहा, ‘‘मुझे पोप के साथ असहमत होने का अधिकार है।’’ उन्होंने दावा किया, ‘‘पोप ने एक बयान देते हुए कहा कि ‘ईरान के पास परमाणु हथियार हो सकता है।’ मैं कहता हूं ‘ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता।।’’ हालांकि एक रिपोर्टर ने उल्लेख किया कि पोप लियो ने सार्वजनिक रूप से ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की है। पोप लियो ने व्यक्त किया कि उन्हें ‘ट्रम्प प्रशासन का कोई डर नहीं है’ और वह ईश्वर के संदेश के बारे में बोलना जारी रखेंगे। कैथोलिक, सबसे बड़े सिविलिंग वोटिंग समूह के रूप में, इस विवाद से प्रभावित हैं, जो उनके मतदान निर्णयों को प्रभावित कर सकता है और भविष्य के चुनाव परिणामों को आकार दे सकता है। पवित्र तसाह के दौरान तनाव चरम पर था। ट्रम्प ने कॉन्क्लेव की भी आलोचना करते हुए तर्क दिया कि लियो को चर्च द्वारा ‘ट्रम्प की उपस्थिति का मुकाबला करने’ के लिए ‘चुना’ गया था।

इसके तुरंत बाद, ट्रम्प ने खुद को बीमारों को ठीक करने वाले क्राइस्ट के रूप में दिखाते हुए एक ए.आई.-जैनेरेटेड छवि साझी की लेकिन बाद में उन्होंने इसे ‘एक डॉक्टर के रूप में’ दिखाने के लिए कहकर हटा दिया। बयान देने वाले सभी प्रमुख कार्डिनल और बिशप पोप का समर्थन और ट्रम्प की आलोचना कर रहे हैं। श्वेत कैथोलिकों के बीच राष्ट्रपति की अफ़्बल रेटिंग फरवरी 2025 में 59 प्रतिशत से गिरकर जनवरी 2026 में 36 प्रतिशत हो गई और हिस्पैनिक कैथोलिकों के बीच यह 31 प्रतिशत से गिरकर 23 प्रतिशत हो गई। तनाव तब बढ़ गया जब ट्रम्प ने पोप लियो पर ‘अपराध के प्रति नरम और विदेश नीति में अप्रभवी’ होने का आरोप लगाया, जो संभवतः उनकी आप्रवासन नीतियों में अधिक कठुणा के लिए कैथोलिक नेताओं की अपील के जवाब में था। ट्रम्प ने दावा किया कि लियो ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं का समर्थन किया और सोशल मीडिया पर अपने हमले तेज कर दिए, यह कहते हुए कि ‘क्या कोई कृपया पोप लियो को बताएगा कि ईरान ने पिछले 2 महीनों में कम से कम 42,000 निर्दोष, निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मार डाला है?’ इससे पहले, कई पोपों ने राजनीतिक नेताओं की आलोचना की है, हालांकि यह दुर्लभ है।

पोप लियो ने शांति का आह्वान किया है और ईरान के खिलाफ चल रहे अमरीकी नेतृत्व युद्ध का सार्वजनिक रूप से विरोध किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रम्प ऐसा क्यों दावा करते हैं कि लियो ईरान में परमाणु हथियारों का समर्थन करते हैं। पोप सेंट जॉन पॉल द्वितीय ने मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करते हुए 1979 में मध्य पूर्व और लेबनान में संघर्षों के समाधान का आह्वान किया था। 2013 में, पोप फ्रांसिस ने सीरिया के लिए शांति जागरण का नेतृत्व किया और सैन्य कार्रवाइयों का विरोध करने के लिए राष्ट्रपति पुतिन को पत्र लिखा। 2017 में एक रासायनिक हमले के बाद, जिसमें लगभग 70 लोग मारे गए थे, उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त किया और नेताओं से डूश्हसा रोकने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि वे युद्ध करने वालों की प्रार्थना नहीं सुनते। पोप लियो ने उन नेताओं की आलोचना की, जो युद्ध पर अरबों डालर बर्बाद करते हैं, यह कहते हुए कि दुनिया ‘मुझे भर अत्याचारियों द्वारा तबाह की जा रही है।’ यह कड़ी टिप्पणी उन्होंने कैमरून की अपनी यात्रा के दौरान की थी, जहां उन्होंने उन लोगों की डूश्नदा की, जो अपने लाभ के लिए ‘ईश्वर के नाम’ का दुरुपयोग करते हैं। पोप लियो सामान्य रूप से युद्ध के कड़े आलोचक रहे हैं।

22 अप्रैल : इतिहास के पन्नों में

- 1500 पुर्तगाली नाविक पेड्रो अलवेयर केन्नाल ने ब्राजील की खोज की।
- 1870 रूस के मार्क्सवादी विचारक व्लादिमीर लेनिन का जन्म।
- 1906 यूनान के एथेंस में दसवें ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई।
- 1915 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने पहली बार जहरीली गैस का इस्तमाल किया था।
- 1921 नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय सिविल सेवा से इस्तीफा दिया।
- 1931 मिश्र और इराक में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- 1954 सोवियत रूस यूनेस्को में शामिल हुआ था।
- 1966 तत्कालीन सोवियत रूस ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- 1969 कलकत्ता में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गठन की घोषणा की गई।
- 1970 पहला पृथ्वी दिवस मनाया गया, जो आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की शुरुआत का प्रतीक है।
- 1974 भारतीय लेखक चेतन भगत का जन्म।
- 1977 ऑप्टिकल फाइबर को पहली बार टेलीफोन ट्रैफिक में प्रयोग किया गया था
- 1983 अंतरिक्ष यान सोयूज टी 8 पृथ्वी पर लोटा।



डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद्, महारानी
लक्ष्मीबाई कन्या
उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

दादा की विरासत पोते तक - ‘कभी दादा की, कभी पोते की’

कौमों और समाजों की असली ताकत सिर्फ धन-दौलत या ओहदों में नहीं होती, वह विरासत में होती है, वह विरासत जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी संस्कारों, सेवा और कुर्बानियों के रूप में आगे बढ़ती रहती है। जब हम इतिहास के पन्नों को पढ़ते हैं, तो कई बार यह महसूस होता है कि बुजुर्गों द्वारा बोए गए बीजों की फसल अगली पीढ़ियां काटती हैं।

17 अप्रैल, 2026 को सुबह 1.40 बजे अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प द्वारा द्रुथ सोशल पर पोस्ट डाली गई - ‘तरनजीत संधू को दिल्ली के नए लैफ्टिनेंट गवर्नर बनने पर बधाई! एक अनुभवी डिप्लोमैट और अमरीका में पूर्व राजदूत के रूप में, उन्होंने हमेशा अमरीका-भारत संबंधों को मजबूत करने के लिए गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। दिल्ली की प्रगति को आगे बढ़ाने और ग्लोबल साझेदारी को और मजबूत करने में उनकी कामयाबी की कामना!’

लगभग 3-4 साल पहले यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक वीडियो काफी वायरल हुआ था, जिसमें अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडेन व्हाइट हाउस में एक भारतीय डेलिगेशन का स्वागत करते नजर आ रहे थे। वह पहले भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से हाथ मिलाते हैं, फिर विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत करते हैं। इसके बाद वह वहां खड़े अमरीका में भारत के राजदूत की ओर बढ़ते हैं।

राजदूत से हाथ मिलाते हुए राष्ट्रपति मुस्कुराते हुए कहते हैं - ‘राजदूत, आप कैसे हैं?’ फिर वह उनके व्यक्तित्व की तारीफ करते हुए कहते हैं - ‘वह बहुत ही विशिष्ट दिखते हैं... राजदूतों को ऐसा ही दिखना चाहिए।’ यह सिर्फ एक व्यक्ति की तारीफ नहीं थी। यह असल में उस सिख पहचान के लिए भी एक गर्व का पल था, जो दस्तार (पागड़ी) के रूप में दुनिया के सामने अपनी विशिष्टता दर्शाती है। एक सिख होने के नाते, जैसे दुनिया भर के सिखों ने यह दृश्य देखकर गर्व महसूस किया होगा, वैसे ही ये शब्द सुनकर मेरे दिल में भी गौरव की लहर दौड़ गई।

कुछ दिन पहले वही भारतीय राजदूत दिल्ली के लैफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में शपथ लेते नजर आए। गहरे नीले रंग की दस्तार और स्लेटी रंग के बंद गले के सूट में, यह थे तरनजीत सिंह संधू। एक अनुभवी डिप्लोमैट, जिन्होंने 3 दशकों से अधिक समय तक भारत की विदेश सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जब हम सेंट्रल दिल्ली या अक्सर लुटियंस दिल्ली की सड़कों से गुजरते हैं, तो एक सड़क महान सिख नेता बाबा खड़क सिंह के नाम पर है। और जब हम श्री हरिमंदिर साहिब के पवित्र परिसर में प्रवेश करते हैं, तो वहां एक महत्वपूर्ण



हॉल है, तेजा सिंह समुंद्री हॉल, जहां शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की अहम बैठकें होती हैं। यहां यह जानने की जरूरत है कि इस हॉल के नाम से जुड़े महान नेता तेजा सिंह समुंद्री दरअसल तरनजीत सिंह संधू के दादा जी थे। तेजा सिंह समुंद्री सिख धार्मिक और सामाजिक सुधारों के महान योद्धा थे। वह गुरुद्वारा सुधार आंदोलन के अग्रणी नेताओं में से एक रहे और 1920 में बनी एस.जी.पी.सी. के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। उनकी जिंदगी सेवा, संघर्ष और कुर्बानी की मिसाल थी। उन्होंने ब्रिटिश इंडियन फौज में सेवा निभाई, पर बाद में अपनी जिंदगी कौम और धार्मिक सुधारों के लिए समर्पित कर दी।

अकाली आंदोलन के दौरान, चाबियों के मोर्चे (नवम्बर 1921 से जनवरी 1922) में भाग लेने के कारण ब्रिटिश सरकार ने तेजा सिंह समुंद्री को गिरफ्तार कर लिया। 13 अक्तूबर, 1923 को उन्हें दोबारा गिरफ्तार किया गया क्योंकि वह एस.जी.पी.सी.-अकाली अभियान में शामिल थे, जिसका मकसद नाभा रियासत के महाराजा रिपुदमन सिंह को फिर से तख्त पर बहाल करवाना था।

ब्रिटिश सरकार ने एस.जी.पी.सी. और अकाली दल को

गैर-कानूनी घोषित कर दिया और तेजा सिंह समुंद्री सहित अन्य नेताओं को ‘साम्राज्य के खिलाफ जांग छेड़ने’ के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। उन्हें मुकद्दमे के लिए लाहौर किले में रखा गया। दुखद घटना 17 जुलाई, 1926 को हुई, जब कैद के दौरान तेजा सिंह समुंद्री का देहांत हो गया। वह लगभग 40 साल की उम्र में ही कौम के लिए संघर्ष करते हुए सदा के लिए इतिहास का हिस्सा बन गए। उनकी विरासत उनके पुत्र बिशन सिंह तक पहुंची, जो गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के संस्थापक उप-कुलपति और खालसा कॉलेज अमृतसर के प्रिंसिपल रहे। शिक्षा और ज्ञान की यह लौ अगली पीढ़ी तक जलती रही। आज यही विरासत तरनजीत सिंह संधू के रूप में एक नए अध्याय को जन्म देती है।

लैफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में शपथ लेने के बाद संधू ने एक्स (टिवटर) पर अपने संदेश में लिखा - ‘दिल्ली के लैफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में देश की सेवा करने की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर मैं खुद को विनम्र महसूस करता हूं। अपने दादा जी सरदार तेजा सिंह समुंद्री को याद किया और रकाबगंज मोर्चे की कामयाबी में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को नमन किया।’ यह पल सिर्फ एक

किसी को गाली देने पर होगा जुर्माना



हाल ही में मध्य प्रदेश के जिला बुरहानपुर के पास के गांव बोरसर के बारे में खबर पड़ी। इस गांव की आबादी 6 हजार से अधिक है। गांव के सरपंच अतर सिंह, उप सरपंच विनोद शिंदे और एक अभिनेता अश्विन पाटिल को लगता था कि उनके गांव में लोग गाली-गलौच बहुत करते हैं। इसके लिए उन्होंने अपनी पंचायत और गांव के लोगों से मिलकर ही एक अभियान शुरू किया है। इसके तहत यदि गांव में कोई व्यक्ति गाली देता पाया जाता है, तो उसे 500 रुपए जुर्माने के रूप में देने पड़ेंगे। एक महीने तक गांव में झाड़ू भी लगानी पड़ेगी। यह एक अच्छी पहल है, अन्य जगहों पर भी शुरू की जानी चाहिए।

अपने यहां तो लोग बात-बेबात, कहीं भी गाली देते हैं-जैसे रास्ता चलते, बस, रेल, साइकिल, रिक्शा किसी की भी सवारी करते। घूमते-फिरते, घर, दफ्तर। कई बार गाली से बात इतनी बढ़ जाती है कि मारपीट और हत्या तक की नौबत आ जाती है। इन दिनों तो फिल्मों और ओ.टी.टी. पर आने वाले तमाम कार्यक्रमों में भी प्रचुर मात्रा में गालियां दी जा रही हैं। कई बार तो इन कार्यक्रमों में इतनी गाली-गलौच होती है कि घर में परिवार के साथ बैठकर इन्हें देखा-सुना नहीं जा सकता। अगर इनकी आलोचना की जाए, तो कहा जाता है कि हम तो वही दिखा रहे हैं, जो समाज में हो रहा है। बच्चे भी खुब गालियां देते दिखते हैं, क्योंकि वे वही तो सीखते हैं, जो अपने परिवार और परिवार के बाहर देखते-सुनते हैं। आजकल तो साइबर क्राइम के भी ऐसे मामले सामने आते हैं, जहां अपने शिकार को खूब गालियां दी जाती हैं। एक बार गोरखपुर विश्वविद्यालय में मौखिक परीक्षा के दौरान एक प्रोफेसर द्वारा भी गालियां दी गई थीं।

एक बात और, स्त्री और पुरुषों की गालियों में भी भेद है। पुरुष तो जहां स्त्री संबंधी रिश्तों, स्त्री अंगों को गालियों में समाहित करते हैं, वहीं स्त्रियों द्वारा दी जाने

वाली गालियां कुछ अलग होती हैं। जैसे कि तू राण (विधवा) हो जाए। क्योंकि समाज में विधवा होना आज भी स्त्री के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है या कि तेरा नाश हो जाए, तुझे कांठी उठाने वाला भी कोई न मिले, तू कलमुंही, कुलच्छिनी, करमजली है। तू निपूती ही रहे (जिसका कोई पुत्र न हो)। तेरा खसम (पति) मिट जाए। ध्यान से देखें तो ये सब भी वही हैं, जो किसी न किसी तरह पुरुष वर्चस्व की दुनिया ने उन्हें सौंपी हैं। गाली कमजोर का अस्त्र कही जाती है। जो समाज में आपसे अधिक ताकतवर है, जिसका आप कुछ नहीं बिगाड़ सकते, उसे गाली देकर मन की तसल्ली करते हैं। दशकों पहले ब्रज प्रदेश में लड़की की शادی के वक जब बारात घर की छत या घर के आंगन में दावत खा रही होती थी, उसे ज्योनार कहते थे। घर और अड़ोस-पड़ोस की सारी स्त्रियां, खाना पकाती जातीं और दूल्हे के माता-पिता, भाई, बहन, नाते-रिश्तेदारों को जी भरकर गालियां देती जातीं। इन गालियों का कोई बुरा नहीं मानता था। बल्कि भारती गाली सुन-सुनकर मुस्कुराते, हंस्टे थे। यहां यह बात गौरतलब है कि लड़के वालों का दर्जा समाज में लड़की वालों से ऊंचा माना जाता है। शادی से पहले, शادی के बाद और यहां तक कि ताउम्र उनकी मांगों और नखरों को लड़की वालों को झेलना पड़ता है। ऐसे में उन्हें गाली देना अपने मन की भड़ास को भी निकालना है।

इन दिनों तो कई बार टी.वी. बहसों के दौरान गालियां दी जाती हैं, या मुंह पर आते-आते रह जाती हैं।

कई बार तो लोकसभा और सदन के अन्य हिस्सों के बारे में भी ऐसी खबरें आती हैं। और तो और, अमरीका के राष्ट्रपति, जो अपने को दुनिया का सबसे ताकतवर नेता कहते हैं, गाली देते देखे जा रहे हैं। पिछले दिनों यूगान्डा के एक बड़े सैन्य अधिकारी का भी वीडियो देखा, जो तुर्किए से एक अरब डालर और सुंदर लड़कियों की मांग कर रहा

है। ऐसा न होने पर तुर्किए के विनाश की धमकी और अपशब्द कह रहा है। गालियों के समाज शास्त्र में यह उलटा चलन दिखाई दे रहा है, जहां ताकतवर कमजोर को गालियों से नवाज रहा है। यानी कि अपनी चिढ़ और झल्लाहट को निकाल रहा है। इस दुनिया के वे देश, जो अमरीका के सामने कुछ नहीं हैं, वे बात नहीं मान रहे।

गालियों के समाज शास्त्री अध्ययन भी हुए हैं। इनके अनुसार यह शक्ति संतुलन, ऊंच-नीच, जिसे पदानुक्रम कहते हैं, समूह की एकजुटता और गाली देकर किसी का अपमान करने और उसे छोटा करने से जुड़ा है। गाली देने वाला हमेशा उससे अपने को ऊंचा समझता है, जिसे गाली दे रहा है। अक्सर गालियां डूश्लगा, जाति या समाजिक स्थिति से जुड़ी होती हैं। ये किसी को उसकी कमतरी का अहसास कराने के लिए भी दी जाती हैं। ये उन समूहों द्वारा दी जाती हैं, जो सामाजिक रूप से किसी न किसी तरह से सत्ता में होते हैं। अधिकांश गालियों के केंद्र में स्त्रियां होती हैं क्योंकि उन्हें पुरुषों से नीचा माना जाता है। कई बार दोस्तों के बीच निकटता दिखाने के लिए भी गालियां दी जाती हैं। दुख या दर्द कम करने के लिए भी।

गाली किसी भी वजह से दी जाए, है तो वह अपशब्द ही। इसलिए मध्य प्रदेश के गांव की पहल देश के अन्य स्थानों पर भी होनी चाहिए।

आज का मन्त्र

गं गाणपतये नमः

श्रद्धालु यथाशक्ति जप करें एवं लाभ प्राप्त करें।
विशेष परामर्श के लिए सम्पर्क करें।
आचार्य राघवकीर्ति गणेश
मो. 9755910000

ओहदे की प्राप्ति नहीं थी, यह पीढ़ियों की विरासत को नमन करने का पल था।

किसी लेखक ने बिल्कुल ठीक लिखा है - ‘सबसे बड़ी विरासत जो कोई मनुष्य अपने बच्चों और पोते-पोतियों के लिए छोड़ सकता है, वह पैसा या जिंदगी में इकट्ठी की गई अन्य भौतिक चीजें नहीं होतीं, बल्कि अच्छे चरित्र और विश्वास की विरासत होती है।’ समुंद्री परिवार की कहानी इस बात को सच साबित करती है।

यह कहानी हमें याद दिलाती है कि ओहदे बदलते रहते हैं, समय भी बदलता रहता है, पर संस्कार और सेवा की विरासत कभी नहीं मरती। और शायद इसीलिए आज भी पंजाबी कहावत सच लगती है -

‘कदे दादे दिया, कदे पोते दिया।’
बड़े-बुजुर्ग अपने अनुभव से परिवार और समाज को सही दिशा देते हैं, जबकि नई पीढ़ी नए विचारों और उत्साह के साथ प्रगति लाती है। यह कहावत हमें सिखाती है कि जब बड़ों का अनुभव और छोटों की सोच इकट्ठी हो, तो समाज और मजबूत बनता है। इस तरह हर पीढ़ी की अपनी महता होती है और सब मिलकर आगे बढ़ते हैं।

॥ जय गणेश ॥	
	
दैनिक राशिफल	
	मेष : बिजनेस में हल्की हलचल रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत आपको आगे बढ़ाएगी।
	वृषभ : किसी विरोधी की बात दिल को चोट पहुंचा सकती है। संतान की ओर से मिलने वाली खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी।
	मिथुन : माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए काम पूरे करेगा। आज का दिन सामान्य होते हुए भी आपको व्यस्त बनाए रखेगा।
	कर्क : एक साथ कई काम आने से ध्यान भटक सकता है, इसलिए एक-एक करके काम निपटाना बेहतर रहेगा।
	सिंह : आज किस्मत आपका साथ देने को तैयार है और बिजनेस में आपकी योजनाएं शानदार परिणाम देंगी।
	कन्या : नौकरी बदलने का सोच रहे लोगों को खुशखबरी मिल सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की दस्तक दिल को खुश कर देगी।
	तुला : धन से जुड़े मामलों में खुद पर भरोसा रखें और दूसरों पर निर्भर रहने से बचें।
	वृश्चिक : आज किस्मत आपके पक्ष में खड़ी है। कुछ कामों को समय पर छोड़ देना ही आपकी जीत बन सकता है।
	धनु : नई इनकम के रास्ते खुलेंगे और आप पूरे जोश के साथ मेहनत करेंगे। बस जल्दबाजी से बचें।
	मकर : शाम तक दोस्तों के साथ पार्टी मूड में रहेंगे। आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे रहेंगे।
	कुंभ : पॉजिटिव एनर्जी को सही दिशा देंगे तो बड़ा फायदा मिलेगा। मां के साथ बातचीत से नए विचार जन्म लेंगे।
	मीन : घर में खुशखबरी। नए मेहमान के आने के संकेत हैं। डूबा हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है।

✍ **आचार्य राघवकीर्ति 'गणेश'**
(ज्योतिष-वास्तु-यज्ञकर्म और आध्यात्मिक विषय प्रवर्तक)
📞 9755910000
🌐 www.jyotishvastu.com

स्वास्थ्य विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय संयुक्त बैठक सम्पन्न

उज्जैन (राधवकीर्ति)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तर पर संयुक्त बैठक का आयोजन गत दिवस कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में किया गया। बैठक में डॉ. अशोक कुमार पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बृजेश त्रिपाठी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, डॉ. जिवेन्द्र राजपूत जिला स्वास्थ्य अधिकारी-01, डॉ. मंजूषा पिप्पल जिला स्वास्थ्य अधिकारी-02, डॉ. अरूण कुशवाह जिला क्षय अधिकारी, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, समस्त परियोजना अधिकारी, स्वास्थ्य संस्था प्रभारी, मनीष भद्रावले जिला कार्यक्रम प्रबंधक, सुश्री परधिवर बग्गा जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी, समस्त बी. पी. एम., बी. सी. एम., पब्लिक हेल्थ मैनेजर सहित विभिन्न अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि प्रतिमाह दिनांक 9 व 25 तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान स्वास्थ्य शिविरों में गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं जांच प्रदान की जाएं तथा हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को भी विशेष रूप से शामिल कर उनका पूर्ण उपचार, देखरेख व प्रबंधन किया जाए। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे प्रोजेक्ट संवर्धन का क्रियान्वयन भी बेहतर



तरीके से कर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएं। गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत ए.एन.सी. पंजीयन सुनिश्चित कर गर्भवती महिलाओं की

04 ए.एन.सी. जांच भी शत-प्रतिशत पूर्ण की जाए। दोनों विभागों की रिपोर्टें में एकरूपता हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। अनमोल पोर्टल पर दर्ज

हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हंकन कर उनसे निरंतर समन्वय कर उनका पूर्ण प्रबंधन करें। मॉडरेट एनीमिया एवं सिवियर एनीमिया से

ग्रसित गर्भवती महिलाओं की भी प्रविष्टि पोर्टल पर कर इनकी सतत निगरानी कर सुरक्षित संस्थागत प्रसव संपादित करवाएं। घर पर प्रसव न हो,

इसका विशेष ध्यान रखा जाए। बर्थ वेटिंग में गर्भवती व हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को नियमानुसार भर्ती कर उपचार एवं प्रसूता सेवाएं उपलब्ध

करवाई जाएं। गर्भवती महिलाओं के नाम की सूची संभावित प्रसूति दिनांक सहित चप्सा करें। एच.पी.वी. टी.काकरण अभियान

के तहत उज्जैन शहरी क्षेत्र में शेष लक्ष्य पूर्ति हेतु समन्वय एवं प्रेरित कर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें। स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग प्रति सप्ताह सेक्टर बैठकों का आयोजन कर निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण करने हेतु समीक्षा कर आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्यवाही कर लक्ष्य पूर्ण करने का प्रयास करें। पोषण पुनर्वास केंद्रों में कुपोषित बच्चों को भर्ती करवाने के लिए दोनों विभाग आपस में समन्वय रखकर बच्चों को भर्ती करवाकर उपचार करवाएं।

क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए जा रहे 100 दिवसीय टीबी अभियान के क्रियान्वयन एवं इसकी प्रगति हेतु भी निर्देश दिए गए। विभाग के समस्त कार्यक्रमों एवं योजनाओं की शत-प्रतिशत प्रगति हेतु नियमित रूप से फील्ड में भ्रमण कर मॉनिटरिंग करें। एच.एम.आई.एस. पोर्टल सहित सभी पोर्टलों पर निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करें। परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन की सेवाओं के प्रति स्वीकार्यता बढ़ाने हेतु मिशन परिवार विकास पखवाड़े का आयोजन दिनांक 11 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। पखवाड़े के अंतर्गत जन समुदाय में परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के संबंध में जागरूकता लाई जाए एवं इसके उपयोग हेतु प्रेरित करें। जिले में होने वाली मातृ एवं शिशु मृत्यु की रिपोर्ट यथासमय कर इसका रिव्यू कर सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन (राधवकीर्ति)। मंगलवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय स्थित प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई।

गायत्री नगर तराना रोड निवासी सावित्री परिहार ने आवेदन दिया कि उन्हें काफी वर्षों से वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त हो रही है लेकिन कुछ माह से पेंशन आना बंद हो गई है। प्रार्थी आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर है अतः उसे पेंशन राशि दिलवाई जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने इस पर संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण को जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। संयुक्त संचालक द्वारा जब जांच की गई तो पता चला कि प्रार्थियों का ई-केवाईसी अपडेट नहीं किया गया था। इस वजह से खाते में पेंशन आना बंद हो गई थी। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रार्थियों का केवाईसी अपडेट करवाया गया। उन्हें आश्वासन दिया गया कि अगले माह से उनकी पेंशन पुनः प्रारंभ हो जाएगी।

बड़नगर के ग्राम सरसना निवासी राजेन्द्र कुमार मेहता ने आवेदन दिया कि सरसना में शासकीय भूमि और तालाब की भूमि पर मिट्टी का भराव कर अवैध रूप से मकान का निर्माण किया जा रहा है। मना करने पर अनारवेदक द्वारा लोगों के साथ वाद-



विवाद और झगडा किया जा रहा है। इस पर एसडीएम बड़नगर को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

आजाद नगर उज्जैन निवासी प्रिंस अरोड़ा ने आवेदन देकर शिकायत की कि उनके द्वारा एक बैंक से क्रेडिट कार्ड लिया गया था। जिसका समय-समय पर भुगतान उनके द्वारा किया जाता रहा है। लेकिन इसके बाद भी बैंक द्वारा उन पर लेट फीस और पेनल्टी का चार्ज लगाया

जा रहा है। इस वजह से उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशानी हो रही है। इस पर एलडीएम को मामले की जांच कर निर्देश कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। नागदा के ग्राम पाडलिया कलां निवासी रतनलाल ने आवेदन दिया कि उनके गांव में खेतों में जाने के लिए परंपरागत रास्ते को एक व्यक्ति के द्वारा गड्डे खोदकर अवरुद्ध कर दिया गया है। वर्तमान में उनके साथ-साथ अन्य कृषकों को गहू की फसल

के लिए वाहन ले जाने और हावेंस्टर और अन्य ट्रैक्टर-ट्राली ले जाने में बहुत परेशानी हो रही है। मना करने पर अनावेदक द्वारा जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। इस पर तहसीलदार नागदा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूटम, एडीएम अत्येन्द्र सिंह गुर्जर एवं अन्य अधिकारियों द्वारा अन्य मामलों में जनसुनवाई की गई।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण के आयोजन के संबंध में बैठक 24 अप्रैल को

उज्जैन (राधवकीर्ति)। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ओ.पी. हारोड़ ने बताया कि खेल और युवा कल्याण विभाग, म. प्र. के निर्देशानुसार नवीन उद्देश्यों के साथ ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह-2026) का आयोजन 15 अप्रैल से 30 जून के मध्य किया जाना है। जिसके तहत विकासखण्ड मुख्यालय पर कम से कम 02-खेल एवं संभागीय मुख्यालय पर 15-खेलों का 30 -दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाना है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में उज्जैन संभागीय एवं जिले के विकासखण्ड मुख्यालयों पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण (आरोह-2026) आयोजन की रूपरेखा तैयार किए जाने के लिए 24 अप्रैल को दोपहर 03 बजे कंट्रील रूम, कार्यालय पुलिस अधीक्षक में बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया से बचाव

उज्जैन (राधवकीर्ति)। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू, मलेरिया होता है, यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू के अधिकांश मामले पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं और उनका प्रबंधन घर पर भी किया जा सकता है। डेंगू, मलेरिया के बचाव व नियंत्रण के लिए अपने घर परिसर और आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। अपने घर के सिंक, गमले, हौज आदि में साफ-सफाई रखें। इसके साथ ही घरों की छतों पर अटला या गंदगी न होने दें।

जिला मुख चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि मच्छर जनित रोगों का बचाव एवं नियंत्रण आमजन के सहयोग से आसानी से किया जा सकता है। अनेक स्थानों पर जल जमाव होने के कारण घरों में छोटे कटेनर, टिकियों इत्यादि में एक सप्ताह से अधिक जल संग्रह करने की प्रवृत्ति के कारण डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसे रोग फैलाने करने वाले एडीज मच्छर का प्रजनन शुरू हो जाता है तथा नियमित साफ सफाई न होने के कारण इन मच्छरों के लावा उत्पत्ति का स्रोत बन जाते हैं।

इन बीमारियों का प्रकोप अत्यधिक रहता है। ठंड देकर बुखार आना, पसीना देकर बुखार उतरना, कपकपी आना, जो मचलाना, सिर दर्द, उल्टी इत्यादि मलेरिया व डेंगू के लक्षण हैं। मलेरिया बीमारी के नियंत्रण के उपाय के लिये ही नहीं, बल्कि मच्छरजनित अन्य बीमारियों, जैसे- फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया का प्रभावी नियंत्रण करना है।

कलेक्टर श्री सिंह ने गीता भवन ऑडिटोरियम निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

निर्माण कार्य की गति बढ़ाएं, समय पर कार्य पूर्ण किया जाए : कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन (राधवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को माधव साइंस कॉलेज के समीप संगीत महाविद्यालय परिसर में निर्माणधीन गीता भवन ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण प्रगति की जानकारी लेने के बाद संबंधित निर्माण एजेंसी को गीता भवन ऑडिटोरियम का कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मौके पर जानकारी दी गई कि 12 सौ सीटर के गीता भवन ऑडिटोरियम निर्माण में भूतल पर



उज्जैन (राधवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार साहू द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में केन्द्रीय जेल उज्जैन में बंदियों हेतु आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम वार्षिक कैलेंडर वर्ष 2025-26 के अनुसार द्वादश चरण, दिनांक 10 अप्रैल से 19 अप्रैल तक दस दिवसीय अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिवृंज हरिद्वार शाखा उज्जैन द्वारा आत्म/व्यक्तित्व परिष्कार शिविर का

आयोजन किया गया। गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन से उपस्थित जिला समन्वयक नरेन्द्र सिकरवार, डॉ. प्रतिभा शर्मा, श्रीमती साधना शर्मा, एम.एल. रणधवल, मनीष कुमार शर्मा, श्रीमती वार्तिका जोशी, चंद्रप्रकाश जोशी, विष्णु देव शर्मा, श्यामलाल जोशी, मुकुल भावसार, मोहन हिंगोले एवं सुशील कुमार शर्मा द्वारा 55 पुरुष बंदियों को वेद, ज्ञान, यज्ञ, मंत्रोच्चारण, योग, ध्यान एवं कर्मकाण्ड का सफलतापूर्वक

प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर 05-कुण्डोय हवन यज्ञ करवाया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारी/कर्मचारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बंदियों के साथ ही अन्य बंदियों द्वारा भी आध्यात्मिक यज्ञ का लाभ लिया गया।

इस अवसर पर जसमन सिंह डाबर उप अधीक्षक (प्रशासन), सुरेश गोयल (सहायक अधीक्षक) एवं जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

बेडरूम सिर्फ सोने की जगह नहीं है यह आपकी अपनी दुनिया है। यह वह स्थान है जहाँ आप दिन की थकान के बाद सुकून पाते हैं, जहाँ आप सुबह नई ऊर्जा के साथ जागते हैं और जहाँ आपका व्यक्तित्व सबसे बेहतर तरीके से झलकता है। अगर आपका बेडरूम वही पुराना तरीका अपनाया जा रहा है और आप उसे एक नया, तरोताजा रूप देना चाहते हैं, तो यह लेख सिर्फ आपके लिए है। एक इंटीरियर डिजाइनर और कंसल्टेंट के रूप में मैंने सैकड़ों घरों को बदलते देखा है और विश्वास कीजिए, आपको लाखों खर्च करने की ज़रूरत नहीं है। बस सही समझ, सही दिशा और थोड़ी रचनात्मकता चाहिए।

रंगों का जादू सही कलर पैलेट चुनें

कमरे की दीवारों का रंग उसके पूरे माहौल को तय करता है। आधुनिक बेडरूम डिजाइन में अब बोल्ड और सॉलिड रंगों की जगह न्यूट्रल टोन्स और अर्थी शेड्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है।

- ऑफ-व्हाइट, सैंड बेज, और वॉर्म ग्रे जैसे रंग कमरे को बड़ा और शांत दिखाते हैं।
- एक 'एक्सेंट वॉल' यानी एक दीवार को गहरे रंग जैसे ड्यूस्टी ब्लू, फॉरेस्ट ग्रीन या मट्टे ब्लैक से रंगें – यह ट्रेंडी भी है और कमरे को डेथ भी देता है।
- अगर आप बड़े बदलाव नहीं चाहते, तो बस कुशन कवर, पर्दे या बेड शीट का रंग बदल दीजिए – पूरे कमरे का मूड बदल जाएगा।
- वास्तु के अनुसार बेडरूम के लिए हल्के गुलाबी, क्रीम या हल्के नीले रंग शुभ माने जाते हैं।

सुझाव : दीवारों पर टेक्सचर पेंट या वॉलपेपर का इस्तेमाल कमरे में एक लज्जरी फील देता है और यह काफी किफायती भी है।

फर्नीचर — कम लेकिन स्मार्ट

आधुनिक बेडरूम का पहला सिद्धांत है जितना कम फर्नीचर, उतना ज़्यादा स्पेस और उतना ज़्यादा सुंदरता। मॉडर्न डिज़ाइन में क्लटर का कोई स्थान नहीं है।

बेड फ्रेम का चुनाव

लो-प्रोफाइल बेड फ्रेम (फर्श के करीब) कमरे को मॉडर्न और स्लीक लुक देता है। स्टोरेज बेड (नीचे दराज़ वाले) छोटे कमरों के लिए परफेक्ट हैं – एक ही फर्नीचर में दो काम। अपहोल्स्टर्ड हेडबोर्ड यानी कपड़े या रैजिन से ढका हेडबोर्ड आजकल बहुत ट्रेंड में है।

मल्टी-फंक्शनल फर्नीचर

वॉल-माउंटेड फोल्डेबल डेस्क — जब चाहे पढ़ाई-लिखाई की जगह, जब न चाहे दीवार से लगा दें।

आटोमन बेंच — बेड के पास रखें, बैठने का काम भी करेगी और ऊपर से कपड़े रखने के लिए भी उपयोगी।

फ्लोटिंग नाइटस्टैंड — दीवार पर लगे ये छोटे स्टेल जगह बचाते हैं और दिखने में भी एलीगेंट लगते हैं।

रोशनी — मूड का सबसे बड़ा जादूगर

लाइटिंग बेडरूम डिजाइन का सबसे under-rated पहलू है। सही रोशनी न केवल कमरे को खूबसूरत बनाती है, बल्कि आपके मूड और नींद की गुणवत्ता पर भी सीधा असर डालती है।

लेयर्ड लाइटिंग अपनाएं — एक मुख्य लाइट (सीलिंग फिक्सचर) + बेडसाइड लैंप + एम्बिएंट लाइट (LED स्ट्रिप)।

वार्म व्हाइट (2700K-3000K) बल्ब सोने के माहौल के लिए आदर्श हैं – यह आँखों पर भी कम जोर डालते हैं।

बेड के पीछे LED बैकलाइट लगाना एक सस्ता और असरदार तरीका है जो लज्जरी होटल जैसा एहसास देता है।

डिमर स्विच लगावाएं — रात को पढ़ना हो या बस आराम करना, रोशनी को अपनी ज़रूरत के हिसाब से कम-ज्यादा करें।

पर्दों के पीछे छुपी LED strip light दीवार पर सॉफ्ट ग्लो देती है जो फोटोग्राफिक रूप से भी शानदार दिखती है।

सुझाव : दिन की रोशनी (natural light) के लिए शीयर कर्टन्स (पारदर्शी पर्दे) का उपयोग करें। यह कमरे को उजला रखते हैं और गर्मी भी कम लगती है।

स्मार्ट स्टोरेज — हर चीज़ की जगह, जगह पर हर चीज़

भारतीय घरों में जगह की कमी अक्सर एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन स्मार्ट स्टोरेज सॉल्यूशन से आप छोटे से छोटे कमरे को भी ऑर्गेनाइज़ और सुंदर बना सकते हैं।

वॉर्डरोब में स्लाइडिंग दरवाज़े लगवाएं — यह जगह बचाते हैं और दिखने में भी मॉडर्न लगते हैं।

बेड के नीचे की जगह का उपयोग करें — हाइड्रोलिक स्टोरेज बेड लें जहाँ रजाई, तकिए और मौसमी कपड़े रख सकें।

दीवारों पर फ्लोटिंग शेल्क्स लगाएं — किताबें, प्लांट्स, या डेकोर आइटम रखने के लिए। **कमरे के कोनों को खाली मत छोड़िए** — कॉर्नर शेल्फ या कॉर्नर वॉर्डरोब बनवाएं। **दरवाज़े के पीछे हैंगर ऑर्गेनाइज़र लगाएं** — रोज़मर्रा की चीज़ें वहाँ टांगें।



इनडोर प्लांट्स — प्रकृति को घर के अंदर लाएं
पीधे न केवल कमरे को खूबसूरत बनाते हैं बल्कि हवा को भी साफ रखते हैं। आधुनिक इंटीरियर डिजाइन में ‘बायोफिलिक डिजाइन’ यानी प्रकृति को घर के अंदर लाने का चलन जोरों पर है। मनी प्लांट और पोथोस — कम देखभाल, तेजी से बढ़ते हैं, हैंगिंग पॉट में लगाएं। स्नेक प्लांट — रात में ऑक्सीजन देता है, बेडरूम के लिए आदर्श। पीस लिली — हवा से हानिकारक तत्व हटाती है और सफेद फूल देती है। छोटे सक्कुलेंट्स और कैक्टस — नाइटस्टैंड पर रखें, बिल्कुल कम पानी चाहिए। प्लांट्स को सुंदर मिट्टी के गमलों या वोवन बास्केट में रखें — डेकोर का हिस्सा बनाएं।
वॉल डेकोर — खाली दीवारें भी बोलती हैं
दीवारें आपके बेडरूम का कैनवास हैं। इन्हें सही तरीके से सजाएं और कमरा बिल्कुल अलग नज़र आने लगेगा। गैलरी वॉल बनाएं — परिवार की फोटो, आर्टवर्क, और इन्सपिरेशनल कोट्स को एक साथ फ्रेम करके लगाएं। मैक्रामे वॉल हैंगिंग — हाथ से बुनी ये सजावट कमरे को बोहेमियन और आर्टिस्टिक लुक देती है। डेकोरेटिव मिरर — एक बड़ा या कई छोटे-छोटे मिरर दीवार पर लगाएं, कमरा बड़ा और रोशन दिखेगा। वॉल शेल्फ पर किताबें, प्लांट्स और छोटी-छोटी मूर्तियाँ सजाएं। फीचर वॉल पर 3डी वॉल पैनल या युज़न पैनलिंग — यह एक ट्रेंडी और अफोर्डेबल विकल्प है।

टेक्सटाइल्स और लेयरिंग — आराम और सुंदरता एक साथ बेड की सजावट ही बेडरूम का केंद्रबिंदु है। बेडिंग, कुशन और थ्रो ब्लैकेट मिलकर कमरे को एक 5-स्टार होटल जैसा लुक दे सकते हैं। कॉटन या लिनन की बेड शीट लें — ये सेहत के लिए अच्छी हैं और देखने में भी क्लासी लगती हैं।	3-5 कुशन का कॉम्बिनेशन रखें — अलग-अलग साइज़ और टेक्सचर के। बस रंग एक-दूसरे से मेल खाने चाहिए। एक बड़ा थ्रो ब्लैकेट बेड के एक कोने पर लापरवाही से रखें — यह बेड को इंस्टाग्राम-रेडी बनाता है। राग (दरी/कालीन) बेड के नीचे बिछाएं — यह कमरे को वार्म और कोज़ी फील देता है।
---	--

सबसे बड़ी सजा है अकेलापन, जीवनसाथी के बाद डिप्रेशन और तनाव में जी रहे हमारे देश के बुजुर्ग



आजकल कई लोग किसी कारणवश अकेले जीवन जी रहे हैं। ऐसे में उम्र बढ़ने के साथ मानसिक और शारीरिक सेहत से जुड़ी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। खासकर जब साथ में कोई जीवनसाथी या करीबी सपोर्ट सिस्टम न हो, तो इसका असर सीधे स्वास्थ्य पर पड़ता है। इजरायल की बार-इलान यूनिवर्सिटी के एक शोध ने खुलासा किया है कि भारत में जीवनसाथी को खोने वाले (विधवा/विधुर) बुजुर्गों की सेहत व हेल्दी एजिंग पर इसका गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है।

क्यों बढ़ती है समस्याएं?

अकेलापन और भावनात्मक खालीपन : अकेले रहने से धीरे-धीरे अकेलापन बढ़ने लगती है। इससे मन में उदासी और खालीपन महसूस होता है।

डिप्रेशन और मानसिक तनाव : लगातार अकेलेपन के कारण अवसाद और चिंता का खतरा बढ़ जाता है। बात करने या अपनी भावनाएं साझा करने वाला कोई न हो तो समस्या और गहरी हो सकती है।

शारीरिक गतिविधि में कमी : अकेले रहने वाले लोग अक्सर कम एक्टिव हो जाते हैं, जिससे वजन बढ़ना, कमजोरी, हड्डियों में ऑस्टियोपेथिस जैसे समस्याएं बढ़ सकती हैं।

हेल्थ का ध्यान कम रखना : कई बार अकेले व्यक्ति अपनी सेहत को नजरअंदाज करने लगते हैं समय पर खाना, दवा या चेकअप नहीं कराते।

आपने बेडरूम को दें नया रूप



इनडोर प्लांट्स — प्रकृति को घर के अंदर लाएं
पीधे न केवल कमरे को खूबसूरत बनाते हैं बल्कि हवा को भी साफ रखते हैं। आधुनिक इंटीरियर डिजाइन में ‘बायोफिलिक डिजाइन’ यानी प्रकृति को घर के अंदर लाने का चलन जोरों पर है। मनी प्लांट और पोथोस — कम देखभाल, तेजी से बढ़ते हैं, हैंगिंग पॉट में लगाएं। स्नेक प्लांट — रात में ऑक्सीजन देता है, बेडरूम के लिए आदर्श। पीस लिली — हवा से हानिकारक तत्व हटाती है और सफेद फूल देती है। छोटे सक्कुलेंट्स और कैक्टस — नाइटस्टैंड पर रखें, बिल्कुल कम पानी चाहिए। प्लांट्स को सुंदर मिट्टी के गमलों या वोवन बास्केट में रखें — डेकोर का हिस्सा बनाएं।
वॉल डेकोर — खाली दीवारें भी बोलती हैं
दीवारें आपके बेडरूम का कैनवास हैं। इन्हें सही तरीके से सजाएं और कमरा बिल्कुल अलग नज़र आने लगेगा। गैलरी वॉल बनाएं — परिवार की फोटो, आर्टवर्क, और इन्सपिरेशनल कोट्स को एक साथ फ्रेम करके लगाएं। मैक्रामे वॉल हैंगिंग — हाथ से बुनी ये सजावट कमरे को बोहेमियन और आर्टिस्टिक लुक देती है। डेकोरेटिव मिरर — एक बड़ा या कई छोटे-छोटे मिरर दीवार पर लगाएं, कमरा बड़ा और रोशन दिखेगा। वॉल शेल्फ पर किताबें, प्लांट्स और छोटी-छोटी मूर्तियाँ सजाएं। फीचर वॉल पर 3डी वॉल पैनल या युज़न पैनलिंग — यह एक ट्रेंडी और अफोर्डेबल विकल्प है।

स्पेस की सबसे दुर्लभ घटना : ब्लैक होल की भट्टी में खत्म हुआ ईंधन, 20 गुना तक कम हुई गैलेक्सी की चमक!

वैज्ञानिकों ने 10 अरब प्रकाश वर्ष दूर एक दुर्लभ गैलेक्सी की खोज की है, जिसकी चमक पिछले 20 वर्षों में 20 गुना कम हो गई है। चिबा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के नेतृत्व में हुए इस रिसर्च से पता चला है कि सुपरमैसिव ब्लैक होल में जाने वाली गैस की मात्रा अचानक कम हो गई है।

सबसे दुर्लभ घटना : ब्लैक होल की भट्टी में खत्म हुआ ईंधन, 20 गुना तक कम हुई चमक!

10 अरब साल दूर की गैलेक्सी में बुझ गई रोशनी, 20 साल में 20 गुना कम हुई चमक!

धरती से लगभग 10 अरब प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक गैलेक्सी की रोशनी महज दो दशकों में अपनी मूल चमक का सिर्फ 5% रह गई है। यह कमी इतनी ज्यादा और इतनी तेज है कि वैज्ञानिकों को अपने पुराने डेटा और टेलीस्कोप की तस्वीरों को दोबारा खंगालना पड़ा। आमतौर पर गैलेक्सी और उनके केंद्र में मौजूद ब्लैक होल की चमक में 20 से 30 परसेंट का बदलाव देखा जाता है। लेकिन 20 गुना की भारी गिरावट एक अत्यंत दुर्लभ और सनसनीखेज घटना है। इंटरनेशनल टीम के इस विश्लेषण से संकेत मिलते हैं कि ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली दानव यानी सुपरमैसिव ब्लैक होल की खुराक अचानक बंद हो गई है।

सुपरमैसिव ब्लैक होल की चमक कम होने का क्या कारण है?

ज्यादातर गैलेक्सी के केंद्र में एक सुपरमैसिव ब्लैक होल होता है, जिसका द्रव्यमान सूरज से करोड़ों गुना ज्यादा होता है।

जब इस ब्लैक होल के आसपास की गैस इसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण अंदर खिंची चली आती है, तो एक डिस्क जैसी संरचना बनती है। इसे 'एक्रीशन डिस्क' कहा जाता है।

घर्षण की वजह से यह गैस इतनी गर्म हो जाती है कि इससे भारी मात्रा में ऊर्जा और रोशनी निकलती है।

इसी चमक की वजह से गैलेक्सी का केंद्र बहुत ज्यादा उज्ज्वल दिखने लगता है, जिसे 'एक्टिव गैलेक्टिक न्यूक्लियआई' कहा जाता है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस खास गैलेक्सी में ब्लैक होल

के अंदर जाने वाली गैस का प्रवाह अचानक कम हो गया है। जब ईंधन कम हुआ, तो भट्टी की आग की तरह इसकी चमक भी फीकी पड़ गई।

क्या ब्लैक होल की सक्रियता इंसानी जीवनकाल में बदल सकती है?

अब तक वैज्ञानिकों का यह मानना था कि ब्लैक होल की खुराक और उसकी चमक में बदलाव आने में हजारों साल लग जाते हैं। लेकिन इस नई खोज ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है।

चिबा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रिसर्चर टोमोकी मोरोकुमा के अनुसार, यह देखना दिलचस्प है कि एक त्हा इतने कम समय में अपनी चमक खो सकता है।

रिसर्च से पता चला है कि ब्लैक होल में गैस गिरने की दर

सिर्फ सात सालों में 50 गुना तक गिर गई।

इसका सीधा मतलब यह है कि सुपरमैसिव ब्लैक होल की सक्रियता महज कुछ ही वर्षों में बदल सकती है। यह बदलाव इतना तेज है कि इसे एक इंसान अपने जीवनकाल के दौरान देख और समझ सकता है।

क्या धूल के बादलों ने रोक दी थी गैलेक्सी की रोशनी?

जब वैज्ञानिकों ने पहली बार इस चमक में गिरावट को देखा, तो उनके मन में एक और थ्योरी आई थी। क्या ऐसा मुमकिन है कि गैलेक्सी और धरती के बीच धूल का कोई विशाल बादल आ गया हो? अक्सर अंतरिक्ष में धूल की वजह से रोशनी दब जाती है। लेकिन जब टीम ने ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड और एक्स-रे डेटा का बारीकी से अध्ययन किया, तो यह थ्योरी गलत साबित हुई।

धूल का बादल हर तरह की वेवलेंथ को एक समान तरीके से प्रभावित नहीं कर सकता था। रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि यह बदलाव बाहरी नहीं बल्कि खुद ब्लैक होल की डिस्क के अंदर हुआ है। हालांकि, यह अभी भी एक रहस्य है कि गैस का प्रवाह इतनी तेजी से कैसे रुक सकता है।

वाइड-फील्ड सर्वे ने कैसे खोली ब्रह्मांड की यह गुत्थी?

इस खोज को अंजाम देने के लिए वैज्ञानिकों ने कई दशकों के पुराने डेटा का सहारा लिया। उन्होंने 'स्लोन डिजिटल स्काई सर्वे' की तस्वीरों की तुलना सुबारू टेलीस्कोप के 'ह्राइपर सुप्राइम-कैम' (HSC) से की। इसमें लगभग 70 साल पुरानी फोटोग्राफिक प्लेट्स का भी विश्लेषण किया गया। अलग-अलग समय और अलग-अलग वेवलेंथ के डेटा को मिलाने पर ही यह स्पष्ट हो पाया कि गैलेक्सी की चमक लगातार गिर रही है।

यूनिवर्सिटी ऑफ टोयामा के को-ऑथर तोशिहिरो कावागुची कहते हैं कि यह ऑब्जेक्ट पुराने मॉडल्स के लिए एक बड़ी चुनौती है। यह भविष्य में ब्लैक होल के नए थ्योरिटिकल मॉडल्स बनाने में मदद करेगा। आने वाले समय में ऐसे और भी 'फैंडिंग' ब्लैक होल खोजे जा सकते हैं जो ब्रह्मांड के विकास की कहानी को नए सिरे से लिखेंगे।

राज्यपाल ने दानदाताओं का सम्मान कर भरपूर दान का प्रदेशवासियों से किया आह्वान

सशस्त्र सेना झंडा निधि में योगदान, राष्ट्र भक्ति की सशक्त अभिव्यक्ति : राज्यपाल श्री पटेल

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर दें विशेष बल – राज्यपाल

भोपाल (राधवकीर्ति)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि करुणा और दया मानव का मूल स्वभाव है। दान अंतरीत्मा की आवाज है। यह आत्मीय भाव से की गयी सहयोग की पहल है। इस भावना को जरूरतमंदों की सेवा में लगाने में ही जीवन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना झंडा कोष में उदार योगदान हमारे सैनिकों और उनके परिवारों का केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की सशक्त अभिव्यक्ति है। झंडा निधि में सहयोग राष्ट्र सेवा में समर्पित वीरों के प्रति हमारे कर्तव्य पालन का अवसर है। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि सैनिक कल्याण के लिए अपनी क्षमता के अनुसार अधिक से अधिक दान दें। साथ ही अन्य लोगों को भी प्रेरित करें।

राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को सम्मेलित विशेष निधि प्रबंध समिति की बैठक उपरांत लोकभवन में आयोजित सशस्त्र सेना झंडा निधि में विशेष योगदान देने वालों के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहण के लिए संभागायुक्त जबलपुर धनंजय सिंह भदौरिया, हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, अलीराजपुर कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, नीमच कलेक्टर हिमार्शु चंद्रा और दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह के. सी. गुप्ता, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोउरी, सचिव गृह विभाग श्रीमती शिल्पा गुप्ता, जी. ओ. सी. मध्यप्रदेश मेजर जनरल संजय गौतम, ब्रिगेडियर शरद नायर और विकास बत्रा सहित सैनिक कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश के पदाधिकारी, प्रबंध समिति के सदस्य मौजूद थे।



लक्ष्यों से अधिक राशि संकलन पर दी बधाई

राज्यपाल श्री पटेल ने अभिनंदन समारोह में निर्धारित लक्ष्यों से अधिक राशि एकत्र करने वाले जिलों की सराहना की। सैनिक कल्याण प्रयासों में सहभागी सभी उपक्रमों, संगठनों और व्यक्तिगत दानदाताओं का आभार भी जताया। राष्ट्रीय सम्मेलन में विगत वर्ष सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिये उत्कृष्ट योगदान के लिए मध्यप्रदेश को सम्मानित किए जाने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल प्रशासनिक दक्षता का परिचायक नहीं, बल्कि हमारे समाज की जागरूकता, संवेदनशीलता और देशभक्ति का प्रतीक है। इसके लिए

सभी संभाग आयुक्तों, कलेक्टरों तथा प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी और आशा जताई कि यह प्रयास निरंतर आगे भी जारी रहेंगे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारी शांति और सुरक्षा के लिए परिवार से दूर रहकर राष्ट्र धर्म का पालन करने वाले वीर सैनिकों के त्याग और बलिदान के प्रति आभारी होना हमारा सर्वोच्च मानवीय धर्म है। राष्ट्र की सीमाओं पर जब कोई सैनिक अपने प्राणों की बाजी लगाता है, तब वह केवल देश की रक्षा नहीं करता, बल्कि हमारे सुरक्षित वर्तमान और भविष्य की नींव को अपने रक्त से मजबूत बनाता है। उनके त्याग और बलिदान का स्मरण करते हुए उनके लिए वास्तविक सहयोग के प्रयासों में सक्रिय सहभागी बनना होगा। हमारा

कर्तव्य है कि देश के इन प्रहरी सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और उसे निभाएं। उन्होंने कहा कि सैनिकों की निस्वार्थ सेवा, त्याग और बलिदान का सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि हमारे आचरण में भी झलकना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने युद्ध में घायल सैनिकों, शहीदों के परिजन और पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए समय सीमा में निर्माण कार्य को पूरा करने पर विशेष बल दिया। राज्यपाल श्री पटेल के समक्ष बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के विभिन्न व्यय प्रस्तावों की चर्चा की गई। बैठक में विगत वर्ष का पालन प्रतिवेदन, ऑडिट रिपोर्ट, व्यय प्रस्ताव सहित विभिन्न विषयों की

सम्मेलित विशेष निधि प्रबंध समिति की 25वीं वार्षिक बैठक संपन्न

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अभिनंदन समारोह से पूर्व सम्मेलित विशेष निधि प्रबंध समिति की 25वीं वार्षिक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने प्रदेश में सैनिक कल्याण प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। निर्माणधीन कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए समय सीमा में निर्माण कार्य को पूरा करने पर विशेष बल दिया। राज्यपाल श्री पटेल के समक्ष बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के विभिन्न व्यय प्रस्तावों की चर्चा की गई। बैठक में विगत वर्ष का पालन प्रतिवेदन, ऑडिट रिपोर्ट, व्यय प्रस्ताव सहित विभिन्न विषयों की

विस्तार से समीक्षा की गई। विगत पाँच वर्षों के आय के स्रोत, अनुदान, सावधि जमा की ब्याज राशि आदि विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी दी गई।

25 दानदाताओं ने किया लगभग 60 लाख का दान

समारोह में बताया गया कि लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित करने वाले संभाग में प्रथम जबलपुर संभाग, द्वितीय उज्जैन संभाग और तृतीय स्थान शहडोल संभाग को प्राप्त हुआ है। प्रदेश के 43 जिलों ने लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित की है। राज्यपाल श्री पटेल ने इस अवसर पर वर्ष 2024-25 में स्वेच्छा से 1 लाख रूपए से अधिक

की राशि का दान करने वाले दान-दाताओं का अभिनंदन किया। सम्मानित दान-दाताओं में अध्यक्ष, मध्यप्रदेश भूतपूर्व सैनिक कल्याण समिति, भोपाल द्वारा 15 लाख, आदित्य पटेल एवं वीरेन्द्र विश्वकर्मा विनर्स इन्स्टीट्यूट इंदौर द्वारा 12 लाख 44 हजार 818, वल्लभ भाई पटेल एवं नवनीत पटेल, पटेल मोर्टर्स, इंदौर द्वारा 3 लाख 2 हजार, मनीष मठवाल एवं रवीन्द्र सिंह रावत, मुख्य कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल द्वारा 2 लाख 26 हजार 400, सूबेदार अमरजीत सिंह (से.नि.), सागर कैंट द्वारा 2 लाख, नरेन्द्र अहिरवार एवं डॉ. विकास मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, भोपाल द्वारा 1 लाख 92 हजार 355, कुन्दन कुमार, क्षेत्रीय

प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया सागर द्वारा 1 लाख 55 हजार 905, डॉ. नरेन्द्र कुमार ओझा एवं डॉ. राजेश कुमार दीक्षित सेवानिवृत्त प्राध्यापक मंच इंदौर द्वारा 1 लाख 50 हजार, राम कुमार गुप्ता एवं 1 अन्य जिला पंजीयक भोपाल द्वारा 1 लाख 48 हजार 610, मनीष कुमार मंगेलिया प्रबंध निदेशक, लेजरकट टेक्नालॉजी प्र.लि. भोपाल द्वारा 1 लाख 21 हजार, चतुर सिंह यादव एवं श्रीमती सुनीता यादव निदेशक, वन आदर्श विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इंदौर द्वारा 1 लाख 11 हजार, विष्णु सूरि, यूनिक एडवर्टाइजिंग रीवा द्वारा 1 लाख 11 हजार, अनन्त कुमार सोनी एवं श्रीमती साधना सोनी प्रतिकुलाधिपति, ए. के. एस. विश्वविद्यालय सतना द्वारा 1 लाख 11 हजार, राकेश अग्रवाल आर के डेवलेपर्स, उज्जैन द्वारा 1 लाख 11 हजार, वीरेन्द्र सिंह थाकड़ एवं ब्रिजेश कुमार सिंह आबकारी विभाग, भोपाल द्वारा 1 लाख 10 हजार, डॉ. राकेश अग्रवाल एवं डॉ. आलोक खन्ना इन्डियन मेडिकल एसोसिएशन म. प्र. सतना शाखा, सतना द्वारा 1 लाख 10 हजार, डॉ. सुमित अग्रवाल एवं डॉ. श्रीमती प्राप्ति गुप्ता अग्रवाल सार्थक अस्पताल, सतना द्वारा 1 लाख 5 हजार, सुनील कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक, सागर 1 लाख 1 हजार 100, श्रीमती रश्मि एम अग्रवाल, आर. के. डेवलेपर्स, उज्जैन द्वारा 1 लाख 1 हजार, श्रीमती आकांक्षा चन्द्रकान्त बगें, उज्जैन द्वारा 1 लाख 1 हजार, राजीव तिवारी एवं श्रीमती समृद्धि तिवारी, छिंदवाड़ा द्वारा 1 लाख, वरिष्ठ महाप्रबंधक, दिल्ली बिल्डकॉन लिमिटेड, रीवा द्वारा 1 लाख, सुनील सिंह, बद्रिका मोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, रीवा द्वारा 1 लाख, गुरमीत सिंह साहनी, राजपूत गन सर्विस रीवा द्वारा 1 लाख और शशिष चन्देकर एवं रोहित यादव, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बीना रिफाइनरी, सागर द्वारा 1 लाख शामिल है।

9 प्रकार के नवाचारों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

लोक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए नवाचार जरूरी : मंत्री श्री काश्यप

भोपाल (राधवकीर्ति)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने कहा है कि लोकहित कार्यों के बेहतर परिणामों के लिए लोक सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होते रहना चाहिए। जिन्होंने लोक सेवा का संकल्प लिया है उन्हें गहन चिंतन और निरंतर आत्मविश्लेषण की आवश्यकता होती है। मंत्री श्री काश्यप मंगलवार को आसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में आयोजित सिविल सेवा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि लोक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए नवाचार की आवश्यकता होती है। लोक महत्व की सेवाओं तक सभी हितग्राही लोगों की पहुंच आसान होना चाहिए। उन्होंने भारतीय सिविल सेवा की स्थापना में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में सिविल सेवा का स्थापना एक अभूतपूर्व कार्य था। उन्होंने कहा कि भारत की सिविल सेवा हर प्रकार से मजबूत है। वास्तविक अर्थ में इसका स्टील फेम है। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट में कई देशों में प्रशासनिक सेवाओं के तंत्र चरमरा गये थे लेकिन भारत में पूरी दक्षता और क्षमता से सिविल सेवा तंत्र ने काम किया और सेवाएं दी। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट में कई देशों में प्रशासनिक सेवाओं के तंत्र चरमरा गये थे लेकिन भारत में पूरी दक्षता और क्षमता से सिविल सेवा तंत्र ने काम किया और सेवाएं दी। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट में कई देशों में प्रशासनिक सेवाओं के तंत्र चरमरा गये थे लेकिन भारत में पूरी दक्षता और क्षमता से सिविल सेवा तंत्र ने काम किया और सेवाएं दी।



प्रशासनिक व्यवस्थाएं प्रभावी सिद्ध हुई हैं। मंत्री श्री काश्यप ने वर्ष 2024-25 के लिए नागरिक सेवा, शिक्षा एवं मानव संसाधन, सामाजिक समरूपता और स्वास्थ्य एवं पोषण सेवा श्रेणियों में नवाचार और उत्कृष्ट सेवाओं के लिये नौ विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और मार्गदर्शी लोकसेवकों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने लोक सेवकों को बधाई देते हुए कहा कि लोक सेवा दिवस आत्मपरीक्षण कर नये संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि साठे नौ लाख अधिकारी-कर्मचारी 'आई गाट पोर्टल' पर रजिस्टर हुए यह अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि भूमिका आधारित प्रशासन प्रभावी होगा। मध्यप्रदेश 490 कोर्स के साथ अन्य प्रदेशों से आगे है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारी को बधाई दी। लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी जैसी मध्यप्रदेश की पहल को अन्य प्रदेशों ने लागू किया। प्रदेश में नीति निर्माण प्रक्रिया में प्रशासन तंत्र की भूमिका सहयोगकर्ता की है। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि प्रशासनिक नियमों और नीतियों के क्रियान्वयन में नवाचारी पहल से प्रभावी परिणाम मिलते हैं। समस्याओं के प्रभावी समाधान मिलते हैं जो लंबे समय

तक प्रभावी रहते हैं। उन्होंने लोक सेवकों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यव्यवहार में लोकहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

गप बना मॉडल

क्षमता विकास आयोग के पूर्व अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई ने 'कर्मचारी से कर्मयोगी' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि अधिकारियों-कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने और क्षमता निर्माण में मध्यप्रदेश ने देश में प्रशंसनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 50 से ज्यादा विभागों की क्षमता निर्माण कार्ययोजनाएं बन चुकी हैं और 490 से ज्यादा हिन्दी में कोर्स आईगाट पोर्टल पर उपलब्ध है। अब अन्य राज्य भी मध्यप्रदेश में ऑनलाइन ट्रेनिंग मॉडल अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोक सेवकों को निरंतर सीखते रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टेक्नॉलॉजी के आने और निरंतर परिवर्तनशील होने से कार्य की गति भी बढ़ गई है। इसके लिये एआई टूल्स का उपयोग अब जरूरी हो गया है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि अब कार्य की आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं। इस प्रकार सीखने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। विकसित भारत के लिए सीखना जरूरी हो गया है।

ट्रांसमिशन लाइन मेटेनेंस

स्टॉफ अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम पुरस्कृत

भोपाल (राधवकीर्ति)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी छैगांव में पदस्थ ट्रांसमिशन लाइन मेटेनेंस स्टॉफ अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम को उनके उत्कृष्ट एवं असाधारण कार्य के लिए मुख्यालय जबलपुर में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

दीपावली के दिन 220 केवी छैगांव-खंडवा सर्किट क्रमांक-2 में अचानक ब्रेकडाउन हो गया था, जिसके कारण ल्यूहार के अवसर पर खंडवा की विद्युत आपूर्ति बाधित होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए लाइन स्टॉफ अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मी शिवपाल निकुम ने तत्परा और दक्षता का परिचय देते हुए फेल हुई डिस्क इंस्लेटर को मात्र 1 घंटे 26 मिनट में बदलकर ब्रेकडाउन को शीघ्रता से दुरुस्त किया। दोनों के द्वारा जिम्मेदारी पूरतम संभव समय में पुनः ऊर्जाकृत किया जा सका और खंडवा क्षेत्र में दीपावली के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनी रही।

भोपाल (राधवकीर्ति)। जब इराद फैलादी हों और प्रशासन का साथ मिले, तो सदियों पुरानी बेड़ियाँ भी टूट जाती हैं। नीमच जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'पंख अभियान' आज बांछड़ा समुदाय की उन बेटियों के लिए उम्मीद का उजाला बनकर उभरा है, जो कभी सामाजिक बहिष्कार और पीढ़ीगत मजबूरियों के अंधेरे में खोई हुई थीं। कु-प्रथा की बेड़ियों से सम्मान के शिखर तक – बांछड़ा

एक वर्ष तक चलेगा जन जागरण अभियान पारिवारिक संस्कृति व प्रेम, शांति, सद्भावना रथ को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिखाई हरी झण्डी

प्रेम, शांति और विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर गांव-गांव तक पहुंचेगा दिव्य रथ

भोपाल (राधवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा संचालित किए जा रहे पारिवारिक संस्कृति व प्रेम, शांति एवं सद्भावना रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभियान समाज में प्रेम, शांति और भावनाओं की भावना को सशक्त करेगा तथा प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा।

प्रेम, शांति और विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर गांव-गांव तक भ्रमण करने वाले रथ से एकता, प्रेम, सद्भावना व नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजागृति रथ में स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों के दिव्य स्वरूपों की



पूजा-अर्चना की।

रीवा के राजनिवास सर्किट हाउस में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा चलाए जा रहे जन जागरण अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पावन और

आध्यात्मिक कार्य प्रदेश में विश्व बंधुत्व की भावना जागृत करने में सहायक सिद्ध होगा। ब्रह्मकुमारी संस्थान की भोपाल जोन की डायरेक्टर बीके निर्मला के निर्देशन में जन जागरण अभियान अंतर्गत

ज्योतिर्लिंग रथ रीवा जिले में महाशिवरात्रि 2027 तक भ्रमण करेगा। कार्यक्रम में जिला भाजपाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता सहित ब्रह्मकुमारी संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कुप्रथा की बेड़ियाँ तोड़ मुख्य धारा से जुड़ रही हैं बेटियाँ

नीमच जिले का पंख अभियान बना सशक्तिकरण की मिसाल

समुदाय ऐतिहासिक रूप से आर्थिक अभाव और कुछ शोषणकारी सामाजिक कु-प्रथाओं के कारण हाशिए पर रहा है। यहाँ की बालिकाओं के लिए 'देह-व्यापार' जैसी मजबूरियाँ उनके भविष्य के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा थीं। लेकिन 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' की मूल भावना को धरातल पर उतारते हुए नीमच जिला प्रशासन ने 'पंख अभियान' के माध्यम से इस अभिशप को गरिमा में बदलने का

बीड़ा उठाया है।

वर्दी पहनने का सपना हो रहा साकार – अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि 'सशक्त वाहिनी' योजना है। जहाँ कल तक इन गलियों में असुरक्षा का साया था, आज वहाँ की 14 बेटियाँ पुलिस और अर्धसैनिक बलों में भर्ती होने के लिए पसीना बहा रही हैं। प्रशासन इन्हें न केवल निःशुल्क शैक्षणिक मार्गदर्शन दे रहा है, बल्कि शारीरिक प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें देश सेवा के लिए तैयार कर रहा है।

यह केवल एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान की बहाली है। आर्थिक आजादी – हुनर से बदली हाथों की लकीरें – केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि 'पंख अभियान' आर्थिक स्वावलंबन का भी सेतु बना है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 30 महिलाओं और बालिकाओं को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ा गया है। पशुपालन, बकरी पालन, सिलाई,

ब्यूटी पालर और मसाला प्रसंस्करण जैसे कार्यों के प्रशिक्षण ने उन्हें 'मजबूरी की कमाई' से निकालकर 'मेहनत की कमाई' की ओर मोड़ दिया है। जमीनी स्तर पर बदलाव का ढांचा – बदलाव केवल बातों में नहीं, बल्कि आंकड़ों में भी नजर आ रहा है। प्रशासन ने बांछड़ा बाहुल्य ग्रामों में 26 आंगनवाड़ी केंद्रों में विशेष 'सहायता केंद्र' स्थापित किए गए।

दतिया में सीएम हेल्पलाइन में फिर नंबर-1, कलेक्टर श्री वानखड़े ने सभी अधिकारियों को दी बधाई

कलेक्टर की कड़ी चेतावनी नरवाई जलाने वाले किसानों पर सख्ती से लगाएं जुर्माना और करवाएं एफआईआर खुले बोरवेल को बंद कराने के कलेक्टर के सख्त निर्देश

समस्त अधिकारी स्वगणना का कार्य प्राथमिकता के साथ कर अपने अधीनस्थ अमले को भी निर्देशित करें समय सीमा की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दतिया (राघवकीर्ति)। कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े की अध्यक्षता में आज मंगलवार को न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। बैठक में जनहित से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री वानखड़े ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन के अनअटेंडेड प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों पर जुर्माना अधिरोपित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 50 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से समय-सीमा में



निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने बताया कि इस बार भी दतिया जिले ने द्वितीय श्रेणी के जिलों में सीएम हेल्पलाइन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर उन्होंने सभी अधिकारियों को बधाई

देते हुए इसे निरंतर बनाए रखने की बात कही। उन्होंने राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जो भी पटवारी गिरदावरी रिपोर्ट त्रुटिपूर्ण बना रहे हैं, उन्हें नोटिस जारी कर जुर्माना लगाया जाए। उन्होंने

स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री वानखड़े ने सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और किसानों

से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मंडियों में पाकिंग व्यवस्था सुचारु बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि गोवंश से संबंधित

शिकायतें प्राप्त नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समस्याओं का त्वरित निराकरण करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नरवाई प्रबंधन पर कलेक्टर ने कहा

कि कोई भी किसान नरवाई न जलाए। सभी एसडीएम इस पर विशेष निगरानी रखें और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जुर्माना लगाया जाए। आदिम जाति कल्याण विभाग अंतर्गत एससी/एसटी

प्रकरणों में राहत राशि हेतु ई-केवाईसी कार्य की समीक्षा करते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वयं तथा अपने अधीनस्थों का सगणना कार्य गुरुवार तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें, जिसके पश्चात इसकी समीक्षा की जाएगी। बैठक में स्वामित्व योजना, फार्मर रजिस्ट्री, जनगणना कार्य, पीएम स्वनिधि, लोक सेवा गारंटी, एएनसी रजिस्टर्ड महिलाओं की समग्र आईडी निर्माण एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ एवं पीएचई विभाग को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्रों में खुले बोरवेल को प्राथमिकता के आधार पर बंद कराना सुनिश्चित करें। इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षय कुमार तैम्रवाल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती श्रुति अग्रवाल सहित समस्त जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर (आरोह-2026) संबंधी बैठक आयोजित

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। खेल और युवा कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय एवं विकासखंड स्तर पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविरों (आरोह 2026) - का आयोजन किया जाना है। ग्रीष्मकालीन खेल के आयोजन की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष क्रमांक 122 में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री मालवीय ने संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण के निर्देशों के अनुसार ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह-2026' के सफल आयोजन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने खेल विभाग एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु संबंधितों को निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रीष्मकालीन खेल हेतु अधिक से



अधिक प्रचार प्रसार किया जाए। जिससे जिले के अधिक से अधिक खिलाड़ी सहभागिता कर सकें। उन्होंने खिलाड़ियों को पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाएं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह कंवर द्वार सुझाव दिया गया कि खेल मैदानों का बेहतर प्रबंधन कर प्रशिक्षण प्रदान करें। बैठक में प्रभारी खेल अधिकारी अरुण रघुवंशी ने बताया कि 1 मई 2026 से शुरू हो रहे 30 दिवसीय

इन खेल प्रशिक्षण शिविरों आयोजन किया जायेगा। जिसमें कराटे, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, ताईक्रांडो, फुटबॉल आदि खेलों के प्रशिक्षण शिविर नगर के चंदेरी रोड स्थित नवीन इंडोर खेल स्टेडियम, संजय स्टेडियम स्थित खेल मैदान, शा. उक्तृष्ट विद्यालय में आयोजित किये जायेंगे प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में किया जायेगा। 19 वर्ष से कम आयु के बालक एवं बालिका खिलाड़ी इस प्रशिक्षण में शामिल हो सकेंगे। संचालनालय के निर्देशानुसार

समय-समय पर विभिन्न गतिविधियां अयोजित कराई जावेंगे। इन प्रशिक्षण शिविरों में खिलाड़ियों को खेल की तकनीकी, नियम एवं मानसिक एवं शारीरिक विकास पर केंद्रित कर वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा। इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले हेतु खिलाड़ी को ऑनलाइन निर्धारित पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। लिंक पृथक से उपलब्ध करवाई जाएगी। बैठक में संबंधित विभागों विभागों के अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं जनसुनवाई में 156 आवेदन प्राप्त



अशोक नगर (राघवकीर्ति)। मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर साकेत मालवीय ने कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुनकर निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 156 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। साथ ही गुगलमीट से समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी जुड़े रहे। जनसुनवाई में आये संबंधित तहसील एवं जनपदों के आवेदन निराकरण के निर्देश संबंधितों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश

दिये गए। जनसुनवाई में बोहरे कालोनी अशोकनगर निवासी आदित्य कुमार पराशर द्वारा नगर पालिका में हेल्पर के पद पर पुनः नियुक्त किये जाने, ग्राम भातपुरा निवासी केलाश गुर्जर द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटायें जाने, ग्राम रुहना निवासी कमल अदिवामी द्वारा करंट से मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता राशि दिलाये जाने, बहादुरपुर निवासी सुदामा बाई द्वारा संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि दिलाये जाने, पिपरई निवासी प्रकाश कुर्मी द्वारा सीमांकन कराये जाने, पिपरई निवासी शिवचरण द्वारा प्रधानमंत्री आवास एवं पड्डा दिलाये जाने, ग्राम भौराकांछी निवासी रामसिंह कुशवाह द्वारा रास्ता दिलाये जाने, ग्राम छीपेन निवासी मुन्नी बाई

द्वारा फोती नामांतरण कराये जाने, ग्राम करतला निवासी चंपालाल कुशवाह द्वारा प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करायें जाने, अशोकनगर निवासी विकास अहिरवार द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति दिलाये जाने, ग्राम पहाड़ा निवासी मालम अहिरवार द्वारा सीमांकन सही करायें जाने संबंधी सहित अन्य समस्यामूलक आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों के निराकरण समय सीमा में किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को मौके पर दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, अपर कलेक्टर श्री डी.एन.सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सोनम जैन सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री वानखड़े ने जन सुनवाई के दौरान सुनी 110 से अधिक आवेदकों की समस्याएं

दतिया (राघवकीर्ति)। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आज मंगलवार को न्यू कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 110 से अधिक आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निराकरण



के लिए निर्देशित किया। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश

दिए गए। जन सुनवाई के दौरान रास्ता अवरुद्ध करने, नाली के पानी की निकासी, वृद्धवस्था पेंशन, सीमांकन, नामांतरण, बटवारा, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, सड़क निर्माण, साफ-सफाई व्यवस्था, खाद्यान्न वितरण, खाद वितरण, आर्थिक सहायता, छत्रवृत्ति आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए

जिसके निराकरण हेतु कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए तथा कुछ आवेदकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया अक्षय कुमार तैम्रवाल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती श्रुति अग्रवाल सहित सभी जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे।

॥ जय गणेश ॥

'स्वस्तिनोऽस्त्वभयं नोऽस्तु'

ॐ

॥ राघवकीर्ति ॥

“हमारा एक परामर्श, संवारेगा आपका भविष्य”

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिष से जानें आपका भविष्य

सटीक कुंडली विश्लेषण एवं आपकी समस्या निवारण के लिए अचूक उपाय, कालसर्प दोष, मंगल भात पूजा, श्रीमहामृत्युंजय मंत्र जप, रुद्राभिषेक, चौरासी महादेव पूजन अभिषेक, नव ग्रह शांति, सप्तशती पाठ, दुर्गा पाठ, दुर्गा हवन, मूल नक्षत्र शान्ति, वास्तु शान्ति एवं बिना तोड़-फोड़ वास्तु दोष निवारण के लिए प्राणप्रतिष्ठित श्रीयन्त्र सहित विभिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु मंगलकारी रत्नों के लिए विश्वसनीय

कुंडली बनवाने या किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए रज/अनुष्ठान/दुर्गा पाठ, हवन, पुराण आदि के लिए संपर्क करें

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

ज्योतिष, वास्तुविद्, तंत्र विशेषज्ञ और पुराण प्रवक्ता

प्रमुख राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय अध्यक्ष

79755910000
(कृपया मॉट से पूर्व समय लें)
www.jyotishvastu.com
WhatsApp : 9479319999

दक्षिणा के लिए PhonePe 8602110000 (Raghavkirti)

- उपलब्धता -

उज्जैन • इंदौर • मोपाल • बैंगलोर • चैन्नई • हैदराबाद • मुम्बई • नई दिल्ली • अहमदाबाद • जयपुर

महागणपति आध्यात्मिक मिशन

भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)

गण सेना (फाउण्डेशन)

भारतीय मजदूर संघ मध्य प्रदेश द्वारा मुख्यमंत्री के नाम कार्यालय पर व उज्जैन कलेक्टर को झापन दिया गया



उज्जैन (राघवकीर्ति)। आज भारतीय मजदूर संघ मध्य प्रदेश द्वारा उज्जैन में प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत ठेका / आऊटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के संबंध विषयांतर्गत निवेद आपके कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश प्रदेश प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है भारतीय मजदूर संघ प्रदेश के संगठित एवं असंगठित क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत बाह्य स्रोत (आऊटसोर्स) कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण होना कर्मचारी श्रमिक एवं प्रदेश हित में है। प्रदेश के विभिन्न विभागों / उद्योगों / संस्थाओं में कार्यरत बाह्य स्रोत (आऊटसोर्स) कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु आज दिनांक 21.04.2026 को माननीय मुख्यमंत्री जी को निम्नवत बिन्दुओं का नापत्र प्रेषित है -

1. प्रदेश के बाह्यस्रोत / आऊटसोर्स कर्मचारियों हेतु सरकार स्तर पर ठोस नीति (आऊटसोर्स सर्विस सेक्यूरिटी एक्ट/आऊटसोर्स निगम मंडल) बनाकर सामाजिक सुरक्षा एवं उचित वेतन सुनिश्चित किया जाये।
2. आऊटसोर्स / ठेका कर्मचारियों से संबंधित श्रम कानूनों का समुचित पालन सुनिश्चित किया जायें। कानूनों की पालना ना होने पर दण्डियों पर कठोर कार्यवाही की जाये।
3. 08 घन्टे से अधिक कार्य करने पर अतिरिक्त समय का नियमानुसार भुगतान किया जावें।
4. आऊटसोर्स कर्मचारियों को सीधे विभाग / संस्था से वेतन भुगतान की जा कर बिचौलिया प्रथा बन्द किया जाये।
5. श्रम कानूनों के अनुसार आऊटसोर्स कर्मचारियों का मासिक वेतन प्रत्येक माह की 07 तारीख तक भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाये। साथ ही वेतन पर्ची प्रदान की जावे।
6. अनुभव के आधार पर वेतन में बढ़ौती की जाये एवं अनुभव के आधार सविदा/नियमित भर्ती में नीति बनाकर अवसर प्रदान किये जायें। (जैसे बोनस अंक इत्यादि)
7. बिना किसी ठोस कारण एवं जाँच के आऊटसोर्स कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की प्रथा पर तत्काल रोक लगाई जाय।
8. शिकायत/आरोप की उच्च स्तरीय जाँच के बिना आऊटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त नहीं की जायें।
9. सभी आऊटसोर्स कर्मचारियों को नियमानुसार ई.एस.आई., ई.पी.एफ. और ई.एस.आई.सी. लाभसुनिश्चित किया जाये।
10. नियमित रूप के कार्यों के विरुद्ध कार्यरत आऊटसोर्स कर्मचारियों को 62 वर्ष की आयु तक सेवा में रहने के प्रावधान किये जाये।
11. समान कार्य के लिए समान वेतन सिद्धांत को लागू किया जाये।
12. आऊटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्ति आदेश के विरुद्ध अपील हेतु विभाग स्तर पर कमेटी का गठन किया जायें, जिसमें कर्मचारी को सुनवाई के पर्याप्त अवसर किये जायें।
13. आऊटसोर्स कर्मचारियों का सेवकाल आधार पर श्रेणी उन्नयन (अकुशल से अर्धकुशल अर्धकुशल से कुशल एवं कुशल से उच्चकुशल) किया जायें।
14. आऊटसोर्स कर्मचारियों को दुर्घटना बीमा रूपये 20 लाख किया जाये।
15. आऊटसोर्स कर्मचारियों को विभाग रिक्त पदों के विरुद्ध समायोजित/सविलियन करने हेतु ठोस नीति बनाई जाये।
16. कौशल विकास की दृष्टि से प्रतिवर्ष कार्य आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण (तकनीकी / गैर तकनीकी) प्रदान किया जावें एवं प्रमाणिकरण भी किया जायें।
17. आऊटसोर्स कर्मचारियों को सप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित किया जायें।

‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम को रोककर विपक्ष ने दिखाया महिला विरोधी चेहरा, 70 करोड़ महिलाओं का हुआ अपमान : अर्चना चिटनिस’

उज्जैन (राघवकीर्ति)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को लागू करने में रोड़ा अटकाकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी व डीएमके जैसे राजनीतिक दलों ने बहनों के अधिकारों पर डका डाला है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। महिलाएं सब कुछ भूल सकती हैं, लेकिन अपना अपमान नहीं भूल सकतीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का बीड़ा उठाया है। विपक्षी दलों के विश्वासघात के खिलाफ मध्यप्रदेश सहित देश भर की महिलाओं में आक्रोश है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के अधिकारों पर डका डालने के लिए महिलाएं सबक जरूर सिखाएंगी। उक्त बात प्रदेश प्रवक्ता पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस ने स्थानीय होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हाल ही में लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रभावी बनाने वाले संविधान संशोधन विधेयक को लेकर जो घटनाक्रम हुआ, वह केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के अधिकारों से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय है।

कांग्रेस, डी एम के, टी एम सी, समाजवादी पार्टी और पूरे इंडी गठबंधन के इस महिला विरोधी गठबंधन ने विधेयक को रोककर अपनी वास्तविक मानसिकता उजागर कर दी है। इन्होंने न केवल एक विधेयक को रोककर, बल्कि करोड़ों महिलाओं के अधिकारों और भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। विडंबना यह है कि इस पर विपक्ष जश्न मनाता रहा।

विपक्ष का जश्न, हर महिला का अपमान है



महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम था, जिसे राजनीतिक स्वार्थों के कारण रोक दिया गया। यह लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को टालने का स्पष्ट उदाहरण है।

विपक्ष की मानसिकता का इतिहास गवाह है

राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने एक बार फिर दिखा दिया कि उनके लिए महिला सशक्तिकरण केवल चुनावी नारा है, वास्तविक प्रतिबद्धता नहीं। कांग्रेस का इतिहास महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने का रहा है। उसने शाहबानो प्रकरण, तीन तलाक और अनुच्छेद 370 से प्रभावित कश्मीरी महिलाओं के अधिकार का विरोध किया। हर महिला-हिस्ती कदम पर कांग्रेस ने विरोध का रास्ता चुना है। कांग्रेस ने महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों पर 98 वर्षों का अहसान जताया, लेकिन संसद में उनकी आकांक्षाओं को कुचलते हुए इटलाई, मुस्कुराई, मेज थपथपाई और शिफ्ट वाइज कार्य करते हुए निर्माण मांग रही महिलाओं को वंचित रखने पर उत्सव मनाया, हर उस महिला का

– नारी सब कुछ भूल सकती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती

– प्रधानमंत्री जी ने महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का बीड़ा उठाया है

– नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्षी दलों का कृत्य संपूर्ण नारी शक्ति का अपमान है

अपमान है जो वर्षों से अपने अधिकार का इंतजार कर रही है।

परिसीमन पर भ्रम फैलाने का प्रयास

भारत के संविधान के अनुसार, लोकसभा और विधानसभाओं का पुनर्गठन जनगणना के बाद परिसीमन आयोग द्वारा किया जाता है। 2001 की जनगणना के बाद श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में यह निर्णय लिया गया कि 2026 के बाद पहली जनगणना तक परिसीमन स्थगित रहेगा, ताकि दक्षिणी राज्यों को संभावित नुकसान से बचाया जा सके। इसके बावजूद विपक्ष भ्रम फैला रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने स्पष्ट किया है कि

परिसीमन से किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा और संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। डी एम के के नेता जानबूझकर तमिलनाडु की महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी रोकने की सोची-समझी रणनीति प्रतीत होती है।

भाजपा की प्रतिबद्धता - कथनी और करनी एक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं को %शक्ति% मानकर उन्हें सशक्त किया गया है। 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रशस्त

किया, जबकि कांग्रेस ने दशकों तक केवल वादे किए। भाजपा ने तीन तलाक से मुक्ति दिलाई, शौचालय, बैंक खाते और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया।

देश की 70 करोड़ महिलाएं इस घटनाक्रम को देख रही हैं, समझ रही हैं और इसे याद रखेंगी। विपक्ष को यह आक्रोश हर चुनाव, हर स्तर और हर स्थान पर श्लेला पड़ेगा। यह मुद्दा अब केवल संसद तक सीमित नहीं रहेगा, यह जन-जन का मुद्दा बनेगा। कई बार जो विजय दिखाई देती है, वह वास्तव में अहंकार से उपजी एक बड़ी पराजय होती है। भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। देश की नारी शक्ति अब मूकदर्शक नहीं, निर्णायक शक्ति है, और वहीं देश का भविष्य तय करेगी।

पत्रकार वार्ता में विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, महापौर पुंकेश ठटवाल, निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, प्रमिला यादव, प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र भारती, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राकेश पंड्या, विवेक गुप्ता , नगर जिला मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा विशेष रूप से मौजूद रहे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की

बारिश से पहले का समय महत्वपूर्ण है निर्माण के आवश्यक कार्य इस समय में पूर्ण कर लें : संभागायुक्त



उज्जैन (राघवकीर्ति)। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने मंगलवार को सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान विभागों के माध्यम से कार्य प्रगति की जानकारी दी गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि शहर में निर्माणधीन कार्यों की गति बढ़ाकर बारिश प्रारंभ होने के पहले आवश्यक कार्य पूर्ण करें। इसके बाद बारिश के दौरान जो कार्य किए जा सकते हैं, उन कार्यों को पूर्ण किया जाए। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत स्थायी निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक मंगलवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागार में संभागायुक्त आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान उज्जैन स्मार्ट सिटी लि. और नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में स्मार्ट

सिटी के माध्यम से विक्रम कीर्ति मंदिर संग्रहालय उन्नयन कार्य और कोटी पैलेस पर वीर भारत संग्रहालय में प्रचलित कार्य की जानकारी दी गई। बताया गया कि जून माह तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पहले जो कार्य के लिए टारगेट तय किए हैं वे पूर्ण कर लें।

बैठक में स्मार्ट सिटी के माध्यम से किए जा रहे महाकाल पार्किंग से चौबीस खंबा तक सड़क निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस मार्ग को भी जून माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि श्रावण मास प्रारंभ होने के पहले महाकाल मंदिर की ओर जाने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग का कार्य पूर्ण किया जाए। इसी तरह रामघाट से झालरिया सड़क तक सड़क निर्माण कार्य को लेकर संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। वर्तमान समय का उपयोग करते हुए कार्यों में तेजी लाएं।

अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहकर निर्माणधीन कार्यों की मॉनिटरिंग करें। बैठक में नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे प्रचलित विकास कार्यों की जानकारी दी गई। बताया गया कि कोयला फाटक से कंठाल चौराहे तक मार्ग चौड़ीकरण का कार्य प्रगतिरत है। मार्ग में नाली निर्माण, पोल शिफ्टिंग का कार्य नरेंद्र टॉकीज तिराहे तक किया जा चुका है। इसी तरह वीडो कलॉथ मार्केट से छोटी शिप्रा पुलिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य में टंकी चौराहे से कमरी मार्ग तक के मार्ग में पाईप लाइन, पोल शिफ्टिंग कार्य प्रचलित हैं। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण कार्य स्थल पर अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर कार्य प्रगति की जांच करें। चौड़ीकरण कार्य में बारिश के पहले होने वाले सभी कार्य आवश्यक रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित कर लें। जहां नाली निर्माण, पाइप लाइन और पोल शिफ्टिंग के कार्य हो गए हैं, वहां सड़क निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण करें।

24 घंटे शिफ्ट वाइज कार्य कर निर्माण कार्यों को तेज गति से समय सीमा में पूर्ण किया जाए : संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन (राघवकीर्ति)। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रचलित विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर कार्य प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। मंगलवार को नियमित निरीक्षण के तहत संभागायुक्त श्री सिंह ने कलेक्टर श्री सिंह के साथ ने एमपीआरडीसी (मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम) के माध्यम से किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी

ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ बायपास मार्ग सिंहस्थ महापर्व के लिए महत्वपूर्ण सड़क है। इस सड़क का निर्माण कार्य 24 घंटे शिफ्ट वाइज कार्य करते हुए निर्माण कार्य समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

सिंहस्थ महापर्व 2028 में शिप्रा नदी पर खान के लिए विश्वभर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कई कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। मंगलवार को संभागायुक्त सह



सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने एमपीआरडीसी (मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम) के माध्यम से सिंहस्थ बायपास का निरीक्षण किया। मौके पर जानकारी दी गई कि सिंहस्थ बायपास के लिए 19.8 किलोमीटर लंबे फोरलेन सड़क चौड़ीकरण का कार्य शिप्रा पुल, सांवराखेड़ी, दो रेलवे ओवरब्रिज, मोहनपुरा ब्रिज, चिंतामन ब्रिज के साथ गरोठ रोड को क्रॉस कर अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है।

संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने एमपीआरडीसी के माध्यम से हरीफाटक ओवरब्रिज अतिरिक्त फोरलेन चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। यहां पर निर्माण कार्य एजेंसी के माध्यम से कार्य प्रारंभ किया गया

है। कार्य की प्रगति की जानकारी मौके पर मौजूद एमपीआरडीसी के अधिकारियों द्वारा दी गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि हरीफाटक ब्रिज के अतिरिक्त फोरलेन चौड़ीकरण का कार्य बारिश को देखते हुए तेज गति से किया जाए। बारिश प्रारंभ होने के पहले ब्रिज चौड़ीकरण के कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। संभागायुक्त ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच संबंधित विभाग द्वारा की जाए। उल्लेखनीय है कि डॉ. मोहन

यादव सरकार द्वारा सिंहस्थ महाकुंभ 2028 के दौरान अपेक्षित करोड़ों श्रद्धालुओं की उचित मेजबानी करने के लिए उज्जैन में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा सुविधाएं बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। इस नई बाईपास सड़क से इस विशाल आयोजन के दौरान भारी यातायात जाम की समस्या कम होने और तीर्थयात्रियों तथा आगंतुकों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम आवागमन सुनिश्चित होने की संभावना है।

अद्वैत वेदांत दर्शन के सुदीर्घ प्रसार हेतु स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती एवं गौतम भाई पटेल सम्मानित

आदि शंकराचार्य के विचारों को वैश्विक स्तर तक पहुँचाए युवा, ऐसे प्रकल्पों की आज अत्यंत आवश्यकता : जगद्गुरु शंकराचार्य

इंदौर (राघवकीर्ति)। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग मप्र शासन द्वारा शंकर प्रकटोत्सव एकात्म पर्व का समापन मंगलवार को जुना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, चिन्मय मिशन के पूर्व वैश्विक प्रमुख स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री मध्यप्रदेश शासन धर्मेन्द्र सिंह लोधी, दक्षिणामूर्ति मठ के प्रमुख स्वामी पूर्णानंद गिरि, माँ पूर्ण प्रज्ञा, प्रख्यात शिक्षाविद गौतम भाई पटेल, महंत मंगलदास त्यागी तथा वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम् के प्राचार्य ब्रह्मर्षि कृष्ण शिव सुब्रमण्यम अवधानी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में इस वर्ष के अद्वैत युवा जागरण शिविर के शंकरदूतों ने एकात्मता का संकल्प लिया।

अद्वैत, पर्यावरण और तकनीक का संगम, एकात्म पर्व से विश्व तक संदेश – मंचस्थ अतिथियों का स्वागत एवं एकात्म पर्व के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. यशेश्वर शास्त्री ने कहा कि अद्वैत वेदांत के लोकव्यापी प्रसार के माध्यम से वैश्विक एकात्मता का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। न्यास का मुख्य उद्देश्य मानवता को संघर्षों से उबारने के लिए एकात्म बोध से अनुप्राणित करना है। इस विजन के अंतर्गत ऑंकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फीट ऊंची 'एकात्मता की मूर्ति', शंकर संग्रहालय और अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान की स्थापना का कार्य तीव्र गति से जारी है। स्वागत भाषण और न्यास की प्रस्तावना देते हुए उप मुख्य

कार्यपालन अधिकारी, आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास डॉ. शैलेन्द्र मिश्रा ने कहा की आदि शंकराचार्य के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने 2025 में प्रयागराज में आयोजित एकात्म धाम शिविर का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें अद्वैत वेदांत पर केंद्रित संवाद, ध्यान, शास्त्रार्थ और वैदिक अनुष्ठानों का सफल आयोजन हुआ। आगामी सिंहस्थ 2028 से पूर्व जनवरी से अप्रैल 2027 तक कलाड़ी से केदारनाथ तक लगभग 17 हजार किलोमीटर की 'एकात्म यात्रा' प्रस्तावित है, जिसमें विभिन्न आध्यात्मिक संस्थाएं सहभागी होंगी।

ऑंकारेश्वर से उठी एकात्मता की पुकार, उद्बोधन में विश्व शांति का संकल्प – स्वामी अवधेशानंद गिरि ने अपने वक्तव्य में एकात्मता के वैश्विक संदेश को प्रसारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब शंकरदूत केवल भारत तक सीमित न रहें, बल्कि आचार्य शंकर भगवत्पाद का संदेश लेकर विश्व के प्रत्येक कोने तक पहुँचें। उन्होंने स्वीकार किया कि अब तक हम अपने धर्म और दर्शन को प्रयास कर चुके हैं, जो उनके दर्शन को जन-जीवन में स्थापित करें और विश्व पटल पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करें। प्रकट न होते श्री शंकर तो, तमस में रहता ज्ञान – स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती – बीज वक्तव्य में स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यदि शंकराचार्य का प्रकट्य



कार्यक्रम में वीडियो माध्यम से जगद्गुरु श्री श्री शंकराचार्य विधुशेखर भारती के आशीर्वाचन भी प्राप्त हुए, उन्होंने कहा की ऐसे प्रकल्पों की आज अत्यंत आवश्यकता है, जो आदि शंकराचार्य के विचारों को वैश्विक स्तर तक पहुँचाएँ। शंकराचार्य ने पूरे भारत को एक सूत्र में बाँधने के लिए चारों दिशाओं में आम्नाय पीठों की स्थापना की, जहाँ से एकता और अद्वैत का संदेश प्रसारित हुआ। आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ऐसे प्रयास कर चुके हैं, जो उनके दर्शन को जन-जीवन में स्थापित करें और विश्व पटल पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करें।

प्रकट न होते श्री शंकर तो, तमस में रहता ज्ञान – स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती – बीज वक्तव्य में स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यदि शंकराचार्य का प्रकट्य

न हुआ होता, तो ज्ञान अज्ञान के अंधकार में ही डूबा रहता। 'प्रकट न होते श्री शंकर तो, तमस में रहता ज्ञान, उनकी कृपा हो हम सब पर ही, और रहे कृपा का भान।' यह संबोधन अद्वैत की गहराई को उजागर करने के साथ-साथ जीवन में एकत्व की भावना को अपनाने का संदेश देता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि आज का दिन केवल उत्सव नहीं, भारत की पारंपरिक चेतना के पुनर्जागरण का अवसर है। मात्र 12 वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत होना, उनके ईश्वरीय स्वरूप का प्रमाण है। जब वह संन्यासी होकर निकले तो उनके दिव्य चरण यहीं ऑंकारेश्वर की धरती पर आ पहुँचे। नर्मदा के तट पर जब भगवत्पाद गोविन्द ने उसने पूछा कि तुम कौन हो तो उन्होंने जवाब में कहा 'चिदानंद रूपः, शिवोहम शिवोहम'।

उन्होंने कहा कि एकात्म धाम को मप्र शासन द्वारा एकात्मता के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करते हुए 2400 करोड़ की लागत से एकात्म धाम का निर्माण किया जा रहा है।

वहीं स्वामी पूर्णानंद गिरि जी, प्रमुख, दक्षिणामूर्ति मठ, वाराणसी ने अद्वैत वेदांत की परंपरा और उसके साधना पथ को स्पष्ट करते हुए कहा कि जब वर्तमान समय में पूरी दुनिया विनाश की कगार पर खड़ी है तब भी भारत विश्व में सुख और शांति का अनुभव कर रहा है। यह शंकराचार्य जैसे महान संतों के चरण विन्यास और उनके प्रभाव का ही फल है कि इस भूमि में पवित्रता प्राप्त की है, और आज के समय में भी हम शांति की अनुभूति कर रहे हैं जो कोई साधारण बात नहीं है। स्वामिनी सद्दिद्यानंद सरस्वती ने सभी सत्रों का सार प्रस्तुत करते हुए अद्वैत की समृद्ध परंपरा

और विभिन्न संप्रदायों के योगदान को रेखांकित किया। माँ पूर्णप्रज्ञा, आवासी आचार्य, आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास ने कहा कि शंकराचार्य का जीवन केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने समाज में एकता, धर्म और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश भी फैलाया। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा, जो आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अद्वैत के आलोक स्तंभों का सम्मान – इस अवसर पर शैक्षणिक जगत की दो प्रखर विभूतियों को सम्मानित किया गया जिसमें चिन्मय मिशन के पूर्व प्रमुख स्वामी तेजोमयानंद जी को उनकी अखंड अद्वैत निष्ठा के लिए सम्मानित किया गया। पद्म भूषण से विभूषित स्वामी

तेजोमयानंद सरस्वती ने 'उपनिषद् गंगा' और विभिन्न ग्रंथों की व्याख्या के माध्यम से वेदांत को जन-जन तक पहुँचाया है। साथ ही प्रख्यात विद्वान प्रोफेसर गौतम भाई पटेल को संस्कृत वांगमय और अद्वैत दर्शन में उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। प्रो. पटेल ने आचार्य शंकर की संपूर्ण कृतियों का पहली बार गुजराती भाषा में अनुवाद करने का ऐतिहासिक संकल्प लिया है। साथ ही पंच दिवसीय एकात्म पर्व में वैदिक अनुष्ठान एवं श्रौत कर्मानुष्ठान हेतु हैदराबाद से पधारे परम पूज्य ज्येष्ठ ब्रह्मश्री वेदमूर्ति कृष्ण रामगोपाल वाजपेयया तथा उनकी धर्मपत्नी कृष्णा कल्याणम्बा सोमपीठनी को श्रुति परम्परा एवं वैदिक अनुष्ठान के प्रति उनके अपार समर्पण के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए न्यास द्वारा उन्हें आदिगुरु शंकराचार्य की प्रतिमा, जुना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि द्वारा भेंट स्वरूप प्रदान की गई।यह दोनों भूद्वेरी शंकराचार्य जगद्गुरु विधुशेखर भारती महास्वामी के पुरााक्रम के पितामह-पितामही हैं। इसी क्रम में पंचदिवसीय एकात्म पर्व के दौरान प्रतिदिन प्रायोगिक समाचार पत्र तैयार करने हेतु माखनलाल चटुर्वेदी राशिय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के छात्रों को सम्मानित किया गया। वैशाख शुक्ल पंचमी पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि एवं अन्य संतो की उपस्थिति में प्रातः 6 बजे नर्मदा तट पर आयोजित दीक्षा समारोह में देश-विदेश के 700 से

अधिक युवा 'शंकरदूत' के रूप में दीक्षित हुए।

वेदांत दर्शन और आध्यात्मिक विरासत को जन-जन तक पहुँचाने के लिए अभिनव पहल कर रही है। देश-विदेश के 18 से 32 आयु वर्ष के युवाओं एवं 32 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए 'अद्वैत वेदांत' के गहन अध्ययन और अनुभव हेतु न्यास द्वारा नियमित देश के विभिन्न आश्रमों एवं संस्थानों में प्रतिष्ठित आचार्यों के मार्गदर्शन में अद्वैत जागरण शिविर (Advaita Awakening Retreat) शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

नेपाल, बांग्लादेश के युवा भी शंकरदूत के रूप में हुए दीक्षित – इन शिविरों में देश-विदेश के युवा एवं नागरिक बड़ी संख्या में सम्मिलित हो रहे हैं। वर्ष 2020 से शुरू हुए इन शिविरों में अभी तक स्पेन, इंडोनेशिया, नीदरलैंड, बांग्लादेश, टर्की, नेपाल, अमेरिका एवं भारत के 25 से अधिक राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के आईआईटीइन / प्रोफेसर्स/ प्रोफेसरनल्स/डॉक्टर्स /आर्टिस्ट / वैज्ञानिक /आर्मी ऑफिसर्स/ प्रशासनिक अधिकारी /शोधार्थी सहित 1800 से अधिक युवा एवं जिज्ञासु सहभागिता कर चुके हैं।

अभी तक कुल 45 नियमित शिविर तथा 03 एडवांस्ड शिविरों का आयोजन हो चुका है, जिसमें लगभग 1800 से अधिक शंकरदूत तैयार हुए हैं।

पंचम दीक्षा समारोह में देश-विदेश से लगभग 700 शिविरार्थियों को शंकरदूत के रूप में दीक्षा दी गई।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को मिला उपचार, सफल इलाज पर शासन-प्रशासन को दिया धन्यवाद जनसुनवाई में दिखी प्रशासनिक संवेदनशीलता - कलेक्टर शिवम वर्मा ने आमजन की समस्याएँ सुनकर किया त्वरित निराकरण

इंदौर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई एक बार फिर आमजन के लिए राहत का सशक्त माध्यम बनी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए कई प्रकरणों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया, वहीं शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। यह जनसुनवाई मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित की जा रही है।

जनसुनवाई में मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण उस समय देखने को मिला जब एयरपोर्ट रोड़ क्षेत्र में एक टुकड़ा हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई बालिका संस्कृति वर्मा अपने परिजनों के साथ पहुंची। इस बालिका ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष प्रयासों से उसे नया जीवन मिला है। मैं, उक्त



दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मुख्यमंत्री जी ने मेरे इलाज के लिए एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था की और मुझे तत्काल मुंबई भेजा। मेरे इलाज के दौरान हर समय उन्होंने स्वास्थ्य की जानकारी ली और बेहतर से बेहतर इलाज कराया। इंदौर आने के पश्चात भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव और इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा लगातार संपर्क में रहें। अब मैं पूरी

तरह से स्वस्थ हूँ। आज मैंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आभार स्वरूप कलेक्टर श्री वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट किया।

इसी प्रकार एक अन्य प्रकरण में सुहानी दाधीच ने बताया कि आर्थिक अभाव के कारण वह 10वीं की परीक्षा का फॉर्म नहीं भर पा रही थी। जनसुनवाई में आवेदन देने पर उसे तत्काल सहायता प्रदान की गई,

जिससे वह परीक्षा में सम्मिलित होकर सफल हुई। खुशी के इस अवसर पर वह मिठाई लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची और आभार जताया। साथ ही कलेक्टर श्री वर्मा ने उसे प्रोत्साहन स्वरूप सिलाई मशीन भी देने के निर्देश दिए, जिससे वह आत्मनिर्भर बन सके। एक अन्य मामले में सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति अपने उपचार के लिए मिली सहायता के लिए आभार व्यक्त करने कलेक्टर कार्यालय पहुँचा। ज्ञात रहे कि जनसुनवाई में पहुंचने पर कलेक्टर के निर्देशानुसार उसे निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे उसका सफल उपचार संभव हो सका। हितग्राही ने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके अतिरिक्त ब्लड कैन्सर से पीड़ित एक बालिका को भी उपचार हेतु आवश्यक सहायता प्रदान

की गई, जिससे उसके परिवार ने राहत महसूस करते हुए आभार व्यक्त किया। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं।

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, रिकेश वैश्य ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/ विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

दैनिक राघवकीर्ति

94793 19999

दैनिक राघवकीर्ति

MPHIN/2007/22188

हर पल हर तरफ चौकस निगाहें-ताज़ातरीन खबरे

www.raghavakirti.news

WhatsApp 9755910000

इंदौर में सिविल सेवा दिवस गरिमामय रूप से मनाया गया

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर में आज सिविल सेवा दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, रिकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने सिविल सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवाएं शासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान भोपाल से आयोजित राज्य स्तरीय सिविल सेवा दिवस समारोह का सीधा प्रसारण भी उपस्थित अधिकारियों को दिखाया गया, जिसमें विभिन्न प्रशासनिक पहल और उत्कृष्ट



कार्यों का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रशासनिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता और जनहित में बेहतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ। सिविल सेवा दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, मुख्य सचिव अनुराग जैन विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षमता विकास आयोग के पूर्व अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई भी मौजूद थे।

साधना सप्ताह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों को सम्मान

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में साधना सप्ताह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों को पुरस्कृत किया गया।

दस हजार से अधिक लोकसेवकों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन में प्रथम स्थान पर जनजातीय कार्य विभाग, द्वितीय स्थान पर उच्च शिक्षा विभाग और तृतीय स्थान पर स्कूल शिक्षा विभाग को पुरस्कृत किया गया। एक हजार से

10000 लोकसेवकों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रथम स्थान पर आयुष विभाग, द्वितीय स्थान पर तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग और तृतीय स्थान पर जेल विभाग को पुरस्कृत किया गया। एक हजार से कम लोकसेवकों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन में प्रथम स्थान पर पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, द्वितीय स्थान पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग और तृतीय स्थान पर जनसंपर्क विभाग को पुरस्कृत किया गया।

अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे ने सिविल सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रशासन अकादमी के महानिदेशक सचिन सिन्हा और बड़ी संख्या में लोक सेवक उपस्थित थे। उप सचिव, मुख्यमंत्री सुधीर कोचर ने कार्यक्रम का संचालन किया। संचालक प्रशासन अकादमी मुजीबुर्रहमान खान ने आभार व्यक्त किया।